हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 192 बेमेतरा, बुधवार 04 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

बधाई एवं अवकाश सूचना

दैनिक मूक पत्रिका की ओर से सभी को रंग पर्व होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं....।

होली पर्व के अवसर पर दैनिक मूक पत्रिका के कार्यालय में 04 और 05 मार्च 2026 को अवकाश रहेगा अत: हमारा अगला 07 मार्च को प्रकाशित होगा।

-संपादक

संक्षिप्त समाचार

एनसीआर में एक्यूआई में गिरावट, अधिकांश इलाके येलो जोन में

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में इन दिनों चल रही तेज सतही हवाओं का असर अब वायु गुणवत्ता पर साफ दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ दिनों की तुलना में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है और दिल्ली, नोएडा व गाजियाबाद के करीब 90 प्रतिशत इलाके 'येलो जोन' यानी मध्यम श्रेणी में पहुंच गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी) और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मॉनिटरिंग स्टेशनों से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया।इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि दिल्ली के अधिकांश स्टेशन 150 से 200 के बीच दर्ज किए गए, जबकि आनंद विहार 258 के साथ अपेक्षाकृत खराब श्रेणी में रहा।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में खामेनेई की मौत पर प्रदर्शन, छात्रों ने जताया विरोध

अलीगढ़। इजरायल-अमेरिका के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को लेकर भारत में विरोध लगातार बढ़ रहा है। इसी कड़ी में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए छात्रों ने अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। विश्वविद्यालय परिसर के अंदर स्थानीय लोग भी छात्रों के विरोध में शामिल हुए। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत के बाद हमने दोपहर में और फिर रात में प्रदर्शन किया। हम आगे भी विरोध करते रहेंगे और अपनी आवाज उठाएंगे। प्रदर्शनकारी ने कहा, मैं इजरायल और अमेरिका को बताना चाहता हूं कि ईरान पर उनके हमले का मतलब यह नहीं है कि देश खत्म हो जाएगा। ईरान मजबूती से खड़ा रहेगा और मजबूती से जवाब देगा। खामेनेई ने दिखा दिया है कि वह कभी नहीं झुकेंगे। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम यहां खामेनेई की मौत के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। वे इंसानियत के नेता थे।

बीजेपी ने जारी की 9 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

बिहार से नितिन नवीन तो छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को टिकट

नई दिल्ली / एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने पत्तों को खोलते हुए उम्मीदवारों की पहली सूची आधिकारिक तौर पर जारी कर दी है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार, हरियाणा, असम, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों के लिए 9 नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। इस सूची में अनुभवी संगठनकर्ताओं, पूर्व सांसदों और क्षेत्रीय दिग्गजों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे पार्टी ने आगामी राजनीतिक समीकरणों को साधने की कोशिश की है। बीजेपी ने बिहार से पार्टी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष नितिन नवीन को उच्च सदन भेजने का निर्णय लिया है। नितिन नवीन पूर्व में बिहार सरकार में मंत्री रह चुके हैं और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उनके साथ ही बिहार से शिवेश कुमार को भी प्रत्याशी बनाया गया है, जो पार्टी के प्रमुख दलित चेहरा और प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। वहीं, हरियाणा से पूर्व सांसद संजय भाटिया को उम्मीदवार बनाया गया है, जिन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में करनाल सीट से देश की दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। ओडिशा में बीजेपी ने अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल को राज्यसभा का टिकट दिया है, जिनकी देखरेख में पार्टी ने 2024 के चुनावों में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। ओडिशा से दूसरे उम्मीदवार सुजीत कुमार हैं, जो हाल ही में बीजू जनता दल का साथ छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। पश्चिम बंगाल की बात

करें तो पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है, जिन्होंने बंगाल में बीजेपी के जमीनी आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। असम से पार्टी ने दो मौजूदा विधायकों को राज्यसभा भेजने का फैसला किया है, जिनमें दुलियाजान से विधायक तेरस गोवाला और महमारा से विधायक तथा कैबिनेट मंत्री जोगेन मोहन के नाम शामिल हैं। तेरस गोवाला असम के चाय बागान समुदाय के एक प्रभावशाली नेता हैं। छत्तीसगढ़ से पार्टी ने लक्ष्मी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है, जो वर्तमान में प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। लक्ष्मी वर्मा का चयन पार्टी द्वारा 'मातृशक्ति' को सशक्त करने और राज्य के सामाजिक समीकरणों को संतुलित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बीजेपी की इस पहली सूची से स्पष्ट है कि पार्टी ने उन नेताओं को पुरस्कृत किया है जिन्होंने संगठन को मजबूत करने में लंबा समय दिया है। सूची में शामिल अधिकांश नाम ऐसे हैं जिन्होंने पिछले चुनावों में या तो खुद बड़ी जीत दर्ज की है या पार्टी की जीत की रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है। राज्यसभा की कुल 37 सीटों पर चुनाव होने हैं, जिनमें से बीजेपी ने फ्लिहाल सिर्फ9 नामों का ही ऐलान किया है, जिससे बाकी सीटों के लिए सस्पेंस बरकरार है।

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा के लिए लक्ष्मी वर्मा मैदान में, भाजपा ने महिला नेतृत्व पर जताया भरोसा

भारतीय जनता पार्टी ने छत्तीसगढ़ से राज्यसभा चुनाव के लिए लक्ष्मी वर्मा को अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी ने इस निर्णय के साथ एक अनुभवी, संगठननिष्ठ और जमीनी कार्यकर्ता को उच्च सदन के लिए आगे बढ़ाया है। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य के रूप में दायित्व निभा रही हैं। लक्ष्मी वर्मा का राजनीतिक सफर संगठनात्मक सक्रियता और निरंतर मेहनत से जुड़ा रहा है। वे भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष और पार्टी प्रवक्ता जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुकी हैं। इसके साथ ही रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष के रूप में भी उन्होंने प्रशासनिक अनुभव प्राप्त किया है। बूथ से लेकर मंडल और जिला स्तर तक संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने पार्टी के भीतर एक समर्पित कार्यकर्ता की पहचान बनाई है।

पश्चिम एशिया संकट

पीएम मोदी ने ओमान के सुल्तान से फोन पर की बात

इस्लामाबाद। अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया क्षेत्र के हालात तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार की दोपहर खाड़ी क्षेत्र के प्रमुख नेताओं से फोन पर बातचीत की। उन्होंने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-अहम अल-मुबारक अल-सबाह से भी बात की। प्रधानमंत्री ने दोनों नेताओं से अलग-अलग फोन पर बातचीत की और उनके देशों में हो रहे हमलों पर चिंता जताई। प्रधानमंत्री ने उन देशों में रह रहे भारतीय समुदाय की सुरक्षा पर भी चर्चा की। इससे

पहले, सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय से भी फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने क्षेत्र में फैले तनाव के मुद्दे पर चर्चा की। बातची के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, मैंने जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला द्वितीय से बातचीत की।

यूएस-इज़राइल हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की कथित हत्या के खिलाफ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, कश्मीर और श्रीनगर के कुछ हिस्सों में लोगों की आवाजाही पर कड़ी पाबंदियां लगा दी गई हैं।

खामेनेई की हत्या पर मोदी की चुप्पी

सोनिया गांधी ने विदेश नीति पर उठाए सवाल..

नई दिल्ली। 1 मार्च को ईरान ने घोषणा की कि उसके सुप्रीम नेता आयातुल्ला सैयद अली हुसैनी खामेनेई की हत्या 28 फरवरी की रात को अमेरिका और इजरायल द्वारा संयुक्त टारगेटेड स्ट्राइक में हुई थी। यह बयान अंतर्राष्ट्रीय रिश्तों के परिप्रेक्ष्य में बहुत गंभीर है क्योंकि किसी मौजूदा राष्ट्र के सर्वोच्च नेता की हत्या द्विपक्षीय बातचीत और कूटनीतिक प्रयासों के दौर में की गई जो आज के वैश्विक राजनयिक ढांचे में एक अभूतपूर्व स्थिति को दर्शाता है। हालांकि इस हमले के सदमे को लेकर वैश्विक स्तर पर चर्चा हुई है, भारत की सरकार की चुप्पी ने समान रूप से

सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपने एकलेख में इस जिक्र करते हुए कहा कि यह घटना सिर्फएक हिंसक हमला नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों, संप्रभुता के सिद्धांतों और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था को चुनौती देने वाला कदम है।

जेडीयू में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में हुई एंट्री तय

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जल्द सक्रिय राजनीति में कदम रख सकते हैं। उनके औपचारिक राजनीतिक प्रवेश की घोषणा बहुत जल्द की जा सकती है। मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पार्टी के भीतर निशांत को आगे लाने की मांग लगातार तेज होती जा रही है। इस खबर से जनता दल (यूनाइटेड) (जेडीयू) के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि निशांत कुमार इसी महीने राजनीतिक मैदान में

उतर सकते हैं। हाल के दिनों में वे कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आए हैं। 1 मार्च को नीतीश कुमार के 75वें जन्मदिन के मौके पर भी वे उनके साथ दिखे थे। उन्होंने अपने पिता को केक खिलाया और मंदिर जाकर उनके लिए पूजा-अर्चना की। विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में मिले जनादेश के बाद से ही निशांत की भूमिका को लेकर पार्टी में चर्चा तेज है। जेडीयू सूत्रों के मुताबिक, मार्च में दिल्ली में होने वाली पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उनकी सक्रिय भूमिका को लेकर संकेत मिल सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद निशांत कुमार की सार्वजनिक कार्यक्रमों में उपस्थिति बढ़ी है। गांधी मैदान में हुए शपथ ग्रहण समारोह में भी वे प्रमुख पंक्ति में बैठे नजर आए थे। जब उनसे राजनीति में आने को लेकर सवाल पूछा गया था, तब उन्होंने सीधे जवाब से बचते हुए मुस्कराकर बात टाल दी थी।

मध्य पूर्व में युद्ध के बीच गृह मंत्रालय का राज्यों को अलर्ट

नई दिल्ली। मध्य पूर्व एशिया में जारी युद्ध जैसे हालात के मद्देनजर केंद्र सरकार ने देशभर में कानून-व्यवस्था को लेकर एहतियाती कदम उठाए हैं। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर ईरान के समर्थन या विरोध में संभावित प्रदर्शनों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्रालय द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम का असर देश के विभिन्न हिस्सों में देखने को मिल सकता है। ऐसे में यदि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में ईरान के पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन आयोजित किए जाते हैं, तो स्थानीय प्रशासन को स्थिति पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए।

फांसी घर मामले में

पारदर्शिता के लिए कार्यवाही का लाइव टेलीकास्ट की मांग

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली विधानसभा ने उन्हें फांसी घर पर प्रश्न पूछने के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा कि मैंने विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है कि उनके समन के अनुसार मैं 6 मार्च को उपस्थित रहूंगा। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजधानी प्रदूषण से जूझ रही है, और

अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि दिल्ली प्रदूषण से जूझ रही है। सड़कें टूटी पड़ी हैं, हर तरफकूड़े के ढेर हैं। अस्पतालों में दवाइयां नहीं हैं। दिल्ली विधानसभा ने मुझे फांसी घर पर प्रश्न पूछने के लिए बुलाया है। मैंने विशेषाधिकार समिति को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है कि उनके समन के अनुसार मैं 6 मार्च को उपस्थित रहूंगा। पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए समिति से मेरी विनती है कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाए। पत्र में उन्होंने कहा कि नियम 172 और 220 के तहत 18 फरवरी के समन को स्वीकार करते हुए वह 6 मार्च दोपहर 3 बजे विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होंगे। इससे उनके कानूनी अधिकार सुरक्षित रहेंगे। पारदर्शिता के लिए कार्यवाही की लाइव-स्ट्रीमिंग की मांग भी की है।

सऊदी अरब में अमेरिकी दूतावास पर ईरान का ड्रोन अटैक

तो आज वहीं-खामेनेई की पत्नी मंसूरेह की भी मौत...

नई दिल्ली / एजेंसी

इजराइल, अमेरिका और ईरान के बीच भड़की जंग आज चौथे दिन एक बेहद खतरनाक और विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गई है। ईरान ने सीधे तौर पर अमेरिका को चुनौती देते हुए सऊदी अरब के रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर दो ड्रोन से बड़ा हमला किया है। इस हमले के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी सेना को खुली छूट देते हुए ईरान को स्पष्ट चेतावनी दी है कि 'ईरान पर अभी सबसे बड़ा हमला होना बाकी है'। हालात की गंभीरता देखते हुए अमेरिका ने अपने सभी नागरिकों को तत्काल प्रभाव से पूरा मिडिल ईस्ट खाली करने का सख्त आदेश जारी कर दिया है। ईरान की तरफ से दागे गए दो ड्रोन ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में स्थित अमेरिकी दूतावास परिसर को निशाना बनाया है। हालांकि, फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार इस हमले में किसी के हताहत होने की फ्लिहाल कोई खबर नहीं है। इसके तुरंत बाद सऊदी अरब में मौजूद अमेरिकी अधिकारियों ने अपने नागरिकों के लिए कड़ी एडवाइजरी जारी करते हुए अपील की है कि वे अपने घरों और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें तथा दूतावास परिसर से पूरी तरह दूर रहें। इसके साथ ही जेद्दा, रियाद और धहरान में किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान की गैर-जरूरी यात्रा करने पर सख्त पाबंदी लगा दी गई है। दूतावास पर हमले के बाद सोमवार को व्हाइट हाउस से बयान देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को तबाह करने की चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका की सबसे बड़ी सेना ईरान में

बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई कर रही है और यह जंग 4 से 5 हफ्ते तक चल सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर इस सैन्य अभियान को और भी आगे बढ़ाया जाएगा। ट्रम्प ने ईरान को उसका परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू न करने की सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ईरान ने इसे नजरअंदाज किया तो अमेरिका अपनी पूरी सैन्य ताकत का इस्तेमाल करेगा। खतरे को भांपते हुए अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने अपने नागरिकों को गंभीर सुरक्षा जोखिमों के कारण तुरंत मिडिल ईस्ट छोड़ने की सलाह दी है। इस सूची में बहरीन, कुवैत, मिस्र, लेबनान, ईरान, ओमान, इराक, कतर, इजराइल, वेस्ट बैंक और गाजा, सऊदी अरब, सीरिया, जॉर्डन, यूएई और यमन जैसे देश शामिल हैं। दूसरी तरफ ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने दुबई में अमेरिकी सेना को भी निशाना बनाया है। उधर इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरूत में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर जोरदार हमला किया है, जिसमें हिजबुल्लाह के एक टॉप कमांडर के मारे जाने की खबर है। इसके अलावा ईरान के सनंदज शहर पर हुए एक हमले में दो लोगों की मौत भी हुई है। ईरान के लिए यह समय दोहरे झटके वाला साबित हो रहा है। सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के ठीक दो दिन बाद, उनकी पत्नी मंसूरेह खोज़स्तेह बघेरजादेह का भी सोमवार को निधन हो गया है।

लेबनान में घुसी इजरायली सेना, हिजबुल्लाह के ठिकानों पर भीषण बमबारी

नई दिल्ली : मिडिल ईस्ट में जारी महायुद्ध अब और भी भयावह रूप अख्तियार कर चुका है। ईरान के साथ जारी जंग के बीच इजरायली सेना ने लेबनान की सीमा में प्रवेश कर एक नया मोर्चा खोल दिया है। इजरायली सेना ने लेबनान के 59 इलाकों को तुरंत खाली करने का आदेश दिया है, जिसके बाद अब तक 30 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़ चुके हैं। लगातार दूसरे दिन हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर की गई बमबारी में 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 150 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इजरायली सेना ने लेबनान में घुसने के साथ ही सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 59 इलाकों को तुरंत खाली करने का सख्त आदेश दिया है। सेना ने स्थानीय नागरिकों को हिजबुल्लाह के ठिकानों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

219 बटालियन सी.आर.पी.एफबन रही है मानवता की मिशाल

कोत्ताचेरू/मूक पत्रिका

219 बटालियन सी.आर.पी.एफ समय-समय पर सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन करती रही है। बीते मंगलवार को पार्थ सारथी घोष, कमाण्डेंट 219 बटालियन के मार्गदर्शन एवं विजय कुमार यादव, सहा0 कमा0. तथा राजवीर सिंह, निरीक्षक, सी.आर.पी.एफ के निर्देशन में 219 बटालियन के कोत्ताचेरू कैम्प में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना, केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी विकास एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना है। साथ ही ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना है। कार्यक्रम में *कोत्ताचेरू कैम्प के आस-पास के गांव के सरपंचों के साथ लगभग 350 ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। आज के कार्यक्रम मे ग्रामीणों को मच्छरदानी, महिलाओ को साड़ी, बुजुर्गो को कम्बल तथ लुंगी, युवाओं को खेल सामग्री तथा पढ़ाई सामग्री दिया गया। डॉ. मोहम्मद इब्राहिम (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी), 219 बटालियन के द्वारा ग्रामीणों विशेषकर बुजुर्गो, बच्चों एवं महिलाओं का उचित ईलाज कर आवश्यक दवाईयों का वितरण किया गया। इस अवसर पर पार्थ सारथी घोष, कमाण्डेंट 219 बटालियन ने सभी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सी.आर.पी.एफ सभी ग्राम व निवासियों की सुरक्षा, सम्मान, सहायता एवं सहयोग के लिए प्रतिबद्ध एवं प्रयासरत है। सी.आर.पी.एफ, स्थानीय प्रशासन एवं राज्य सरकार नए सुरक्षा कैम्प, जन सुविधा केन्द्र, सड़क, बिजली, पानी आदि उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है, जिससे प्रत्येक आदिवासी का व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि भविष्य में उन्हें किसी भी तरह की परेशानी होने पर सी.आर.पी.एफ हमेशा उनके साथ खड़ी हैं। साथ ही आह्वान किया कि वे नक्सलियों के बहकावे में ना आयें, अपने बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए शिक्षा दिलवायें, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठायें व एकजुट होकर क्षेत्र, देश के अग्रणी विकास में भागीदार बने। प्रोग्राम के अंत में सभी ग्रामीणों को भोजन कराया गया।

बैजी में होली पर्व पूर्व विद्यार्थियों को बांटी गई पाठ्य सामग्री व बिस्किट

बैजी /मूक पत्रिका

बीते मंगलवार को होली पर्व के पूर्व शासकीय प्राथमिक शाला बैजी में बच्चों को बिस्किट, पाठ्य सामग्री एवं पेन-पेंसिल का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम पंथ श्री हुजूर उदित मुनि नाम साहब द्वारा संचालित सद्गुरू कबीर धर्मदास वंशावली मिशन के बैजी ग्राम ग्रामीण प्रतिनिधियों के द्वारा आयोजित किया गया। परीक्षा पूर्व विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु पाठ्य सामग्री, पेन, पेंसिल, रबर एवं बिस्किट वितरित किए गए। संस्था के सदस्यों ने बच्चों को गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही बच्चों को साफ-सफाई, वृक्षारोपण, प्रकृति सेवा एवं नैतिक आचरण के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे एवं स्टाफ श्रीमती भारती वर्मा की उपस्थिति रही। प्रधान पाठक द्वारा भविष्य में स्वच्छता एवं नशा मुक्ति रैली के आयोजन हेतु ग्रामवासियों के साथ योजना तैयार की गई। इस अवसर पर विजेंद्र वर्मा, तामेश्वर वर्मा, कोमल वर्मा, दिनेश वर्मा, साजन वर्मा, लता वर्मा सहित शाला परिवार एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को ग्रामीणों ने सराहनीय बताया। अंत में प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे ने संस्था एवं ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणादायक कार्यों में विद्यालय परिवार सदैव सहयोग प्रदान करता रहेगा।

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में देवांश पटनायक ने रचा इतिहास, छत्तीसगढ़ में द्वितीय स्थान, ऑल इंडिया रैंक 376..

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले के होनहार छात्र देवांश पटनायक ने सैनिक स्कूल भर्ती परीक्षा में छत्तीसगढ़ स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी ऑल इंडिया रैंक 376 रही है। इस उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। देवांश वर्तमान में ओ.पी. जिंदल स्कूल, रायगढ़ में अध्ययनरत हैं। उन्होंने सैनिक स्कूल में कक्षा नवमी में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा में यह शानदार सफलता प्राप्त की। इससे पहले भी वे कक्षा छठवीं की प्रवेश परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित कर चुके हैं। देवांश के पिता नंदगोपाल पटनायक और माता अनिता पटनायक ने इस सफलता का श्रेय उनके निरंतर परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को दिया है। अनिता पटनायक रायगढ़ विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला सराईपाली पश्चिम, संकुल किरोड़ीमल में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। विद्यालय के प्रधान पाठक सी.पी. (राहुल) डनसेना और शिक्षिका निरुपमा वैष्णव ने भी देवांश को बधाई दी है। विद्यालय परिवार ने इसे अपने संस्थान के लिए गौरव का क्षण बताया है। शिक्षकों का कहना है कि देवांश की उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।सैनिक स्कूल जैसी प्रतिष्ठित संस्था की प्रवेश परीक्षा में प्रदेश स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करना बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। देवांश की यह सफलता उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत शुरुआत के रूप में देखी जा रही है।क्षेत्र के लोगों और शुभचिंतकों ने देवांश को बधाई देते हुए उनके आगे भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

पुलिस हिरासत में संदिग्ध की बिगड़ी हालत, परिजनों ने लगाया टॉर्चर का आरोप

परसकोल हत्याकांड की जांच के दौरान युवक एक साइड पैरालाइज, रायपुर रेफर

खरसिया।/मूक पत्रिका

खरसिया थाना क्षेत्र के परसकोल में हुए हत्याकांड की जांच के दौरान हिरासत में लिए गए एक संदिग्ध युवक की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस हिरासत में मारपीट और टॉर्चर के कारण युवक को एक साइड पैरालाइस हो गया है। गंभीर हालत में पहले उसे खरसिया अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। स्थिति में सुधार न होने पर देर रात उसे रायपुर भेजे जाने की जानकारी मिली है।मिली जानकारी के अनुसार, परसकोल हत्याकांड की जांच के सिलसिले में खरसिया पुलिस ने जिन संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था, उनमें रमेश चौहान पिता स्वर्गीय मोहन चौहान भी शामिल था। परिजनों का आरोप है कि हिरासत के दौरान पुलिस प्रताड़ना के चलते उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि खरसिया थाना की ओर से पंचायत के सरपंच को फोन कर सूचना दी गई कि रमेश की तबीयत खराब है और परिजन अस्पताल पहुंचें। जब परिवार के लोग खरसिया अस्पताल पहुंचे तो रमेश के शरीर का एक हिस्सा पैरालाइज हो चुका था और वह ठीक से बोल भी नहीं पा रहा था। रमेश की पत्नी और बड़े भाई का कहना है कि वह सुबह थाना पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में गया था, लेकिन कुछ ही घंटों में उसकी हालत गंभीर हो गई। उनका सीधा आरोप है कि पुलिस मारपीट के कारण ही उसकी यह स्थिति हुई है। इधर, परिजन एवं गांव के महिला-पुरुष बड़ी संख्या में रमेश को पिकअप वाहन से खरसिया तहसील कार्यालय लेकर पहुंचे और एसडीएम प्रवीण तिवारी को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने अस्पताल के रेफर पत्र दिखाते हुए पुलिस की बर्बरता का आरोप लगाया। एसडीएम ने तत्परता दिखाते हुए परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 5000 रुपये उपलब्ध कराए और निजी एंबुलेंस की व्यवस्था कर रमेश को रायगढ़ मेडिकल कॉलेज भिजवाया। रायगढ़ में सिटी स्कैन जांच के बाद सिर में खून का थक्का जमने की पुष्टि हुई। हालत में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर चिकित्सकों ने उसे देर रात रायपुर रेफर कर दिया। इस मामले में पुलिस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं परिजन निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

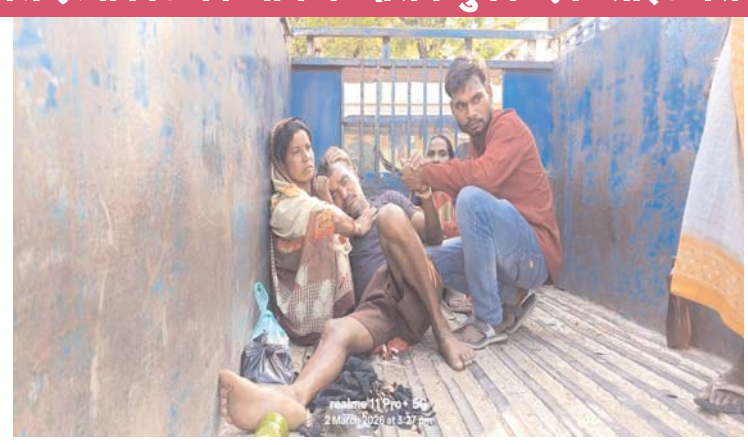

रफीक मेमन को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बनाये गये,जिला,महामंत्री,वरिष्ठ नेताओं के प्रति जताया आभार, संगठन को मजबूत करने का संकल्प

मनेन्द्रगढ़ /एमसीबी /मूक पत्रिका

मोहम्मद जावेद -वर्ष 1994 से कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहे रफीक मेमन को पार्टी नेतृत्व ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए जिला महामंत्री नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से जिले भर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह और हर्ष का माहौल है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक क्षमता और जनसेवा की भावना को देखते हुए यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। रफीक मेमन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत जमीनी स्तर से की। वे कांग्रेस संगठन में विभिन्न पदों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। जनपद सदस्य का चुनाव उन्होंने भारी बहुमत से जीतकर जनता का विश्वास अर्जित किया। छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत कट्टर समर्थक और उनकी अनुसंसा पर एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश सिंह के मार्गदर्शन, जिला अध्यक्ष एमसीबी अशोक श्रिवास्तव, श्रीवास्तव की सहमति से और जिला के नेता पूर्व विधायक गुलाब कमरों के नेतृत्व में उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने का,कार्य,किया,राजनीतिक अनुभव के दौरान जब दिग्विजय सिंह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री थे उस समय प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह राजपूत के नेतृत्व में उन्होंने युवा कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल में उन्होंने युवाओं को संगठन से जोड़ने, गांव-गांव तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने और गरीब, मजदूर एवं जरूरतमंदों की सहायता करने का कार्य किया,जिला महामंत्री बनाए जाने पर रफीक मेमन ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ चुनौती भी है उन्होंने विशेष रूप से वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और विश्वास के कारण ही उन्हें यह अवसर मिला है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के सम्मान और आम जनता की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देंगे। साथ ही आगामी चुनावों और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं : दीपेश साहू

यादव (ठेठवार) समाज धमधा राज के वार्षिक अधिवेशन में विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

बेमेतरा :- ग्राम बेरलाकला में यादव (ठेठवार) समाज धमधा राज द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन कार्यक्रम रखा गया था जिसमे बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा बड़ी संख्या में उपस्थित सामाजिक बंधुओं से आत्मीय भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना। कार्यक्रम की शुरुवात सर्वप्रथम कलश यात्रा के साथ शुरुवात हुई जिसमे समाज के सैंकड़ो महिलाओ ने कलश यात्रा निकाली द्य तत्पश्चात मंचीय कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। मंचिय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री साहू ने कहा कि यादव (ठेठवार) समाज की गौरवशाली परंपराएं, सामाजिक एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे वार्षिक अधिवेशन सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। विधायक श्री साहू ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार, किसान हितैषी योजनाओं और सामाजिक भवनों के निर्माण जैसे कार्यों के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न समाजों के सामुदायिक भवनों के निर्माण एवं उन्नयन, युवाओं के लिए खेल एवं शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार, तथा जरूरतमंद परिवारों को शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए लगातार पहल की जा रही है। यादव (ठेठवार) समाज की मांगों और आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता के साथ शासन स्तर पर रखने का आश्वासन उन्होंने दिया।

श्री साहू ने कहा कि समाज की उन्नति तभी संभव है जब हम शिक्षा, संगठन और संस्कार को अपना आधार बनाएं। उन्होंने युवाओं से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उन्होंने समस्त पदाधिकारियों, आयोजक मंडल एवं समाज के सक्रिय साथियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में माधुरी रवि परगनिया जनपद अध्यक्ष बेरला साधुराम यादव, जमुना जय मिर्जा रोहित यादव रेनू यादव दीपक यादव और रमन यादव शशि यादव लक्ष्मी नारायण यादव इंद्रसेन यादव विष्णु राम यादव भरत यादव संतोष यादव बिरहा राम यादव परसराम यादव और राम सिंह यादव और अमन यादव गणेश यादव साधुराम यादव राजू यादव संतोष यादव राजेंद्र यादव जुगनू राम यादव बलदेव यादव परमानंद यादव छवि यादव गणेश यादव मुकुल यादव सरोज यादव लक्ष्मण यादव भवन यादव राजेश यादव कृष्ण यादव परदेसी राम यादव नरसिंह यादव भागीरथी यादव जितेंद्र यादव सहित समाज के वरिष्ठजन, पदाधिकारी, युवा साथी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

20 सदस्यीय समूह की मेहनत रंग लाई, कई हितग्राहियों की आमदनी एक लाख रुपये के पार

नैमेड़ में रेशम से बदली तस्वीर, 17 लाख से ज्यादा का कोसा बेचकर रचा रिकॉर्ड

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । नैमेड़ में इस बार रेशम की फसल ने सचमुच खुशियां ला दी हैं। यहां संचालित कोसा बीज केन्द्र से जुड़े हितग्राहियों ने द्वितीय फसल में 17 लाख 13 हजार 20 रुपये का कोसा बेचकर नया रिकॉर्ड बना दिया। यह सिर्फ आंकड़ा नहीं है, बल्कि उन परिवारों की बदली हुई स्थिति की कहानी है, जिन्होंने मिलकर मेहनत की और उसका फल पाया। स्वयं सहायता समूह के 20 सदस्यों ने संगठित होकर कोसा उत्पादन किया। मेहनत का नतीजा यह रहा कि 11 सदस्यों की अतिरिक्त आमदनी एक लाख रुपये तक पहुंच गई, जबकि बाकी 9 सदस्यों को भी करीब 63 हजार रुपये की कमाई हुई। गांव के लोगों के लिए यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। समूह के अध्यक्ष जितेन्द्र कुड़ियम ने बताया कि इस फसल से उन्हें 1 लाख 36 हजार रुपये की आय हुई। उन्होंने कहा कि पिछले साल शासन ने कोसा के दाम बढ़ाए, जिसका सीधा फायदा उत्पादकों को मिला। उनकी आय में 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। यही वजह है कि अब गांव के और लोग भी रेशम पालन की ओर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। नैमेड़ का यह प्रयास अब आसपास के गांवों के लिए प्रेरणा बन रहा है। यहां के लोगों ने साबित कर दिया है कि अगर सही मार्गदर्शन और योजना का लाभ मिले, तो गांव में ही अच्छी आमदनी का रास्ता निकाला जा सकता है। रेशम उत्पादन अब यहां सिर्फ रोजगार नहीं, बल्कि गांव की तरक्की की पहचान बनता जा रहा है।

कॉलेज मोड़ के खराब हैंडपंप को लेकर ब्लॉक अध्यक्ष विकास कोसले ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सारंगढ़/मूक पत्रिका

वार्ड नंबर 02 में पानी की समस्या गहराने पर पाइप बढ़ाने और मरम्मत की मांग की।सारंगढ़, [आज की तिथि]: सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ब्लॉक अध्यक्ष (क्षेत्र समस्या निवारण) विकास कोसले ने वार्ड नंबर 02, कॉलेज मोड़ (भोजपुर) के पास स्थित खराब सार्वजनिक हैंडपंप को दुरुस्त कराने हेतु माननीय कलेक्टर महोदय को आवेदन सौंपा है। विकास कोसले ने बताया कि कॉलेज मोड़ के पास स्थित यह हैंडपंप पिछले एक साल (वर्ष 2025) से खराब पड़ा है। भू-जल स्तर (वॉटर लेवल) नीचे चले जाने के कारण हैंडपंप ने पानी देना बंद कर दिया है। यह हैंडपंप मुख्य मार्ग के किनारे होने के कारण न केवल वार्ड वासियों, बल्कि कॉलेज और स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं और राहगीरों के लिए भी पानी का मुख्य स्रोत था।

लंबित प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से करें – कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई

जिला कार्यालय में समय-सीमा बैठक आयोजित, विभागवार गहन समीक्षा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली में कसावट लाने, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति पर विशेष जोर दिया गया।

निर्धारित समयावधि में हो लंबित प्रकरणों का निराकरण- कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने लंबित प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विभागों में पुराने लंबित मामलों की फाइलों का परीक्षण कर शीघ्र निराकरण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रकरणों के निपटारे में समय-सीमा का विशेष ध्यान रखें और तय अवधि के भीतर कार्य पूर्ण करें।

योजनाओं के क्रियान्वयन में लाएं प्रगति- बैठक में कलेक्टर ने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र जारी करने सहित अन्य विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

लापरवाही पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई- कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि यदि बिना किसी ठोस कारण के कार्यों में देरी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम नागरिकों द्वारा सीधे कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

समन्वय से सुलझाएं प्रकरण- बैठक में अंतर-विभागीय समन्वय पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि जिन मामलों में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता हो, वहां आपसी सहयोग से त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण न केवल सरकारी कार्यक्षमता को प्रदर्शित करता है, बल्कि शासन के प्रति आम जनता के विश्वास को भी मजबूत करता है।

जवाबदेही तय कर लाएं परिणाम- कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने सभी अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने और अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जनहित से जुड़े कार्यों को समय पर पूर्ण करना है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में पत्रकारों को बड़ी सौगात, पत्रकार भवन के लिए 25 लाख स्वीकृत

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में पत्रकारिता जगत के लिए गौरव का क्षण सामने आया है। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति, सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा वर्षों से आयोजित किए जा रहे कवि सम्मेलन, पत्रकार कार्यशाला एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों के सम्मान समारोह की परंपरा को नई ऊंचाई मिली है। इसी क्रम में प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव ने संगठन के पत्रकार भवन निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की राशि स्वीकृत कर ऐतिहासिक पहल की है। इस घोषणा से जिले के पत्रकारों में उत्साह की लहर दौड़ गई है। भवन निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर पत्रकार भवन हेतु भूमि चिन्हांकन एवं आबंटन की मांग को लेकर निवेदन पत्र सौंपा। पत्रकारों का कहना है कि भवन निर्माण से जिले में पत्रकारिता को नई दिशा और मजबूती मिलेगी, साथ ही संगोष्ठी, कार्यशाला और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए स्थायी मंच उपलब्ध होगा। संगठन के सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए डिप्टी सीएम अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, जिला उपाध्यक्ष मनोहर पटेल एवं प्रदेश संयोजक कैलाश पंडा के सराहनीय योगदान को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया। जिले में पत्रकारों के हित में इन सभी पदाधिकारियों का निरंतर सहयोग और सक्रियता चर्चा का विषय बना हुआ है। पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि यह भवन केवल एक इमारत नहीं, बल्कि पत्रकार एकता, सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक बनेगा।

अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि शीघ्र भूमि आबंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर पत्रकार भवन निर्माण का सपना साकार किया जाए। इस मौके पर नरेश चौहान जिलाध्यक्ष, देवराज दीपक कार्यकारी जिलाध्यक्ष, सुधीर चौहान ब्लॉक अध्यक्ष बरमकेला, समीप अनंत ब्लॉक अध्यक्ष सारंगढ़, टीकाराम सहिस, मिथुन यादव, पिंगध्वज खण्डेकर

अमलीपदर पुलिस की बड़ी कार्रवाई 70लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार,

अमलीपदर/ मूक पत्रिका

गरियाबंद जिले के अमली पदर थाना क्षेत्र में अवैध कच्ची महुआ शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 70 लीटर देशी कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे नया सवेरा अभियान के अंतर्गत की गई, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर अमलिपदर पुलिस आरोपी हस्तम मांझी निवाशी गुरासरार कच्ची महुआ का परिवहन व विक्रय के उद्देश्य से ले जा रहा था। में दबिश दी जहां आरोपी के पास से भारी मात्रा में देशी कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। आरोपी के पास एक प्लास्टिक बोरी के अन्दर 40लीटर शराब और 30लीटर डिब्बो में कच्ची महुआ शराब पाई गई, पूछताछ के दौरान आरोपी शराब रखने एवं बिक्री के लिए कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत लगभग 7000रुपए आंकी गई साथ मे मोटरसाइकिल को जप्त किया अमलिपदर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया उसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पत्रकार एकता के रंग में रंगेगा बरमकेला, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनेगा भव्य होली मिलन समारोह

बरमकेला/मूक पत्रिका

रंगों का पावन पर्व होली इस वर्ष बरमकेला में विशेष उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति बरमकेला इकाई के तत्वावधान में आयोजित होली मिलन समारोह में क्षेत्र के सभी पत्रकार साथी एक मंच पर एकत्रित होकर प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देंगे। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय सहभागिता से यह आयोजन गरिमामय और यादगार बनने जा रहा है। इस अवसर पर देवराज दीपक (कार्यकारी जिलाध्यक्ष), सुधीर चौहान (ब्लॉक अध्यक्ष, बरमकेला), टीकाराम सहिस (महासचिव), हेमंत पटेल, शुकदेव दीवान सहित समस्त सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। सभी पदाधिकारी और सदस्य एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देंगे तथा संगठन की मजबूती और सामाजिक एकता का संकल्प लेंगे। होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी मनमुटाव मिटाकर प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने का पर्व है। पत्रकार समाज का दर्पण होता है, जो कलम के माध्यम से जनहित की आवाज बुलंद करता है। ऐसे में जब पत्रकार स्वयं एकता और सौहार्द का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, तो समाज को भी सकारात्मक संदेश मिलता है। कार्यक्रम के दौरान होली के पारंपरिक गीतों, हंसी-ठिठोली और आत्मीय मुलाकातों के बीच संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही आने वाले समय में पत्रकार हितों की रक्षा, संगठन विस्तार और सामाजिक सरोकारों को लेकर सामूहिक रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह होली मिलन समारोह केवल उत्सव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह पत्रकार एकता और संगठन की शक्ति को प्रदर्शित करने का भी माध्यम बनेगा। सभी सदस्यों से आग्रह किया गया है कि वे उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाएं। बरमकेला में आयोजित यह होली मिलन समारोह निश्चित ही रंगों के साथ-साथ आत्मीयता और एकजुटता की मिसाल पेश करेगा।

रंगों की बौछार के बीच गूंजेगा एक ही संदेश – एकता, सद्भाव और सशक्त पत्रकारिता।

विश्व श्रवण दिवस 2026 के अवसर पर विशेष श्रवण–जांच अभियान, 462 बच्चों की जांच

एमसीबी/मूक पत्रिका

विश्व श्रवण दिवस 2026 के अवसर पर जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (त्र्रुब्र्य) के अंतर्गत विद्यालयों में विशेष श्रवण-जांच अभियान का सफल आयोजन किया गया। कलेक्टर जिला एमसीबी के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत बच्चों की सुनने की क्षमता का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। ÷चलो चलें, प्राइमरी क्लास रूम की ओर-हर बच्चे को श्रवण शक्ति जाँच की सुविधा दें÷ थीम पर आधारित इस अभियान के अंतर्गत त्र्रुब्र्य चिकित्सा टीमों ने कुल 9 विद्यालयों में पहुँचकर 462 छात्र-छात्राओं का श्रवण परीक्षण किया। जाँच के दौरान 5 बच्चों में कान एवं श्रवण संबंधी संभावित विकार पाए गए, जिन्हें विशेषज्ञ परामर्श हेतु तत्काल श्रहृञ्ज विशेषज्ञ के पास रेफर किया गया।

अगले ही दिन से सिविल अस्पताल मनेन्द्रगढ़ की श्रहृञ्ज ओपीडी में विशेषज्ञ द्वारा सभी रेफर प्रकरणों की विधिवत जाँच शुरू कर दी गई। विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा बच्चों का विस्तृत ओटोस्कोपिक परीक्षण, श्रवण मूल्यांकन एवं आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। आवश्यकता अनुसार आगे की जांच एवं उपचार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई।

उल्लेखनीय है कि सिविल अस्पताल मनेन्द्रगढ़ में पदस्थ श्रहृञ्ज विशेषज्ञ द्वारा अपने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात से ही कान, नाक एवं गला संबंधी समस्याओं के समाधान तथा राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं श्रवण दोष निवारण कार्यक्रम (हृक्क्कष्टष्ठ) के अंतर्गत श्रवण-बाधा की पहचान, उपचार एवं जन-जागरूकता हेतु सतत कार्य किया जा रहा है। जिले में हृक्क्कष्टष्ठ के माध्यम से नियमित श्रवण-जांच, परामर्श, रेफरल एवं उपचार सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

विद्यालयों में आयोजित शिविरों के दौरान टीम द्वारा बच्चों का ओटोस्कोपिक परीक्षण, बेसिक हियरिंग स्क्रीनिंग तथा कान-संबंधी लक्षणों का मूल्यांकन किया गया। साथ ही शिक्षकों एवं अभिभावकों को श्रवण स्वास्थ्य के महत्व, समय पर उपचार की आवश्यकता तथा श्रवण-बाधा का बच्चों की सीखने की क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में जागरूक किया गया।जिला स्वास्थ्य समिति, त्र्रुब्र्य एवं हृक्क्कष्टष्ठ के संयुक्त प्रयासों से सम्पन्न यह अभियान इस संकल्प को और सुदृढ़ करता है कि सुनने में बाधा के कारण कोई भी बच्चा अपनी शिक्षा या समग्र विकास में पीछे न रह जाए।जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग एमसीबी द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि यदि किसी बच्चे या वयस्क में सुनने में कमी, कान में आवाज आना, बार-बार संक्रमण या अन्य श्रवण संबंधी समस्या के लक्षण दिखाई दें, तो वे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर निःशुल्क परामर्श एवं जांच सुविधा का लाभ अवश्य उठाएँ।

'होली पर मध्यप्रदेश के शराब के तस्कर को आबकारी ने भेजा जेल'

कोरिया/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन की आबकारी सचिव श्रीमती आर. संगीता और कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी द्वारा अवैध शराब निर्माण, बिक्री और तस्करी पर सख्ती से कार्यवाही करने आबकारी विभाग को निर्देशित किया गया है।जिला आबकारी अधिकारी श्री रमेश कुमार के मार्गदर्शन में लगातार कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम अमरपुर ढोड़ीबहरा निवासी हरिचरण आ0 रामसिंह के कब्जे से 39 पाव गोवा व्हिस्की 7.02 लीटर मध्य प्रदेश निर्मित शराब बरामद कर जप्त किया गया।छ.ग आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) क 34(2), 36 व 59क के तहत प्रकरण कायम कर आरोपी को जिला न्यायालय बैकुण्ठपुर में न्यायिक रिमाण्ड हेतु प्रस्तुत किया गया, माननीय न्यायाधीश द्वारा आरोपी को 14 दिनों के लिये जेल भेजने का आदेश दिया गया। 4680/- की शराब को अमरपुर से होली में 6000/- में बेचने के लिये लाया था।उपरोक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सपना सिन्हा, आबकारी उप निरीक्षक रामसनेही यादव, मुख्य आरक्षक श्री बबुआ राम, किशुन राम, आरक्षक नरेन्द्र राजवाड़े और हेमंत राजवाड़े, एवं नगर सैनिक इंद्रकुमारी की महत्वपूर्ण योगदान रहा । उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में संचालित शराब दुकानों में उपलब्ध मदिरा के ब्राण्ड स्टॉक और विक्रय दर की जानकारी मोबाईल पर प्लेस्टोर से ष्मनपसंदष् एप्प डाउनलोड़ कर मनपसद एप्प में राज्य की सभी मदिरा दुकानों में उपलब्ध देशी और विदेशी मदिरा के बोतल, अद्धी और पाव के ब्राण्ड लेबल का नगवार विवरण एवं विक्रय दर अंकित रहता है, मदिरा दुकान के शिकायत या अवैध शराब की सूचना के संबंध में टोल फ्री नम्बर 14405 और मोबाईल नं. 9424102102 पर व्हाटसप पर सूचना दी जा सकती है।

एमपी पुलिस के दो जवान सहित तीन के खिलाफअपराध दर्ज, एसपी व पूर्व विधायक मौके पर पहुंचे

नदी में रेत लेने गए युवक की हत्या एमपी–सीजी बॉर्डर से गुजरी बरने नदी से अवैध रेत खनन का मामला

एमसीबी/मूक पत्रिका

मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ सीमा क्षेत्र पर बहने वाली बरने नदी से रेत परिवहन करने गए एक युवक की मध्यप्रदेश के 2 पुलिस जवानों समेत 3 लोगों ने बेदम पिटाई की। इसके बाद सिर पर बेलचा से प्रहार कर दिया। गंभीर चोट लगने से युवक की मौत हो गई। मृतक के साथ अन्य मजदूर भी ट्रैक्टर से गए थे। मारपीट से मौत के मामले में 2 पुलिस जवानों समेत 3 के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी और पूर्व विधायक घटनास्थल पर पहुंचे। इधर घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस वाहन में तोडफ़ोड़ किया। एमसीबी जिले के केल्हारी पुलिस ने बताया कि ग्राम पसौरी निवासी संतोष पिता धर्मजीत की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया है। इसमें बताया गया है कि 3 मार्च को सुबह 6 बजे सोनू चक्रधारी के ट्रैक्टर में लेबर का काम करने सूरज, गोलू, भारत, महेश, निखिल, रामनाथ के साथ ग्राम पसौरी के डूमरघाट स्थान पर रेत लेने बरने नदी में गए थे। सुबह करीब 8 बजे चौकी दरसिला मध्यप्रदेश के 2 पुलिस जवान, एक सिविल व्यक्ति बोलेरो से आए। तीनों ने कहा कि रेत कहां ले जा रहे हो, तब सोनू ने कहा कि पीएम आवास के लिए रेत लेने आए हैं। तभी एक पुलिस जवान ट्रैक्टर में चढ़ गया और ट्रैक्टर को स्टार्ट कर रहा था। मना करने पर डंडे से सोनू को मारा। फिर पुलिस वाले ने 20 हजार रुपए की मांग की। इतने में सरपंच पति विजय आकर बोले कि ट्रैक्टर को लेकर वापस गांव तरफ चलो। थोडी दूर जाने के बाद पीछे से पुलिस वाले पहुंचे और सोनू को बेलचा से सिर में मारा। बेलचा के प्रहार से सोनू गिर गया और ट्रैक्टर तिरछा हो गया। फिर हम लोग गांव वालों को बताए। खून से लथपथ सोनू को ईलाज के लिए केल्हारी ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मारपीट करने वालो का नाम राजू प्रजापति, नितिन शुक्ला और तीसरे व्यक्ति का नाम मधु जायसवाल है।

ग्रामीण आक्रोशित, एसपी सहित पूर्व विधायक मौके पर पहुंचे

एमसीबी जिले के ग्राम पसौरी निवासी सोनू चक्रधारी मंगलवार सुबह पीएम आवास निर्माण के लिए बरने नदी पर ट्रैक्टर लेकर रेत लेने गया था। यह नदी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सीमा पर गुजरी है। परिजनों का कहना है कि सोनू प्रधानमंत्री आवास निर्माण के लिए रेत लेने गया था। सीमा क्षेत्र में रेत निकालना पहले से विवादों में रहा है। कुछ ही देर बाद खबर फैली कि सोनू की मौत हो गई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद एसपी रत्ना सिंह दलबल के साथ पहुंची है। पुलिस ने शव को पीएम कराने सीएचसी केल्हारी भेजवाया है। केल्हारी पुलिस ने चौकी दरसिला थाना जैतपुर शहडोल मध्यप्रदेश के दो नितीन शुक्ला, राजू प्रजापति एवं मधु जायसवाल के खिलाफ धारा 103(1), 296, 308(3), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

एमपी पुलिस की गाड़ी फंसी थी, केल्हारी पुलिस के कब्जे में

मध्यप्रदेश के जैतपुर थाना के दरसिला पुलिस चौकी की गाड़ी नदी किनारे फंसी मिली है, जिसे केल्हारी पुलिस ने थाना में लाकर खड़ी कर दी है। आक्रोशित ग्रामीणों ने एमपी पुलिस की गाड़ी में तोडफ़ोड़ की थी। ग्रामीणों का आरोप है कि एमपी पुलिस टीम वाहन छोडक़र वापस लौट गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण बरने नदी और आसपास क्षेत्र में जमा हो गए। नारेबाजी कर विरोध शुरू कर दिया गया है। ग्रामीणों ने जांच और पोस्टमार्टम पारदर्शी तरीके से कराने मांग रखी है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केल्हारी सहित क्षेत्र से अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

ग्रामीणों के मुताबिक, एमपी-सीजी बॉर्डर से गुजरी बरने नदी का यह इलाका लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन को लेकर चर्चित और संवेदनशील है। सीमा क्षेत्र होने के कारण अधिकार क्षेत्र को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति निर्मित होती है। इसी का फायदा उठाकर अवैध उत्खनन चलता है। मामले में पूर्व विधायक गुलाब कमरो सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे हैं और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

संपादकीय

शराब नीति केस से उठे नए कानूनी सवाल

आबकारी नीति से संबद्ध मामले में विशेष अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य इक्कीस लोगों को आरोपमुक्त कर दिया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कामकाज के तरीके और जांच की पद्धति पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। यह चिंता भी जताई जाती रही है कि आखिर इससे इन जांच एजंसियों की कैसी छवि बन रही है। मगर दिल्ली में शराब नीति से जुड़े कथित घोटाले के संबंध में विशेष अदालत का जो फैसला आया है, उससे फिर यह सवाल उठा है कि क्या ये एजंसियां किसी खास मंशा के तहत सोच-समझ कर नेताओं या अन्य लोगों के खिलाफ मामला उठाती हैं और क्या उनका बेजा इस्तेमाल हो रहा है।गौरतलब है कि आबकारी नीति से संबद्ध मामले में विशेष अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य इक्कीस लोगों को आरोपमुक्त कर दिया। विशेष अदालत में हुई सुनवाई के बाद यही सामने आया कि अभियोजन पक्ष ने आरोपियों के विरुद्ध जो भी आरोप लगाए थे, उसे साबित करने के लिए उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं था। लापरवाही या हड़बड़ी का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सीबीआइ ने अदालत में जो आरोपपत्र प्रस्तुत किए, उनमें न सिर्फ गंभीर खामियां थीं, बल्कि कई विरोधाभास भी थे।सवाल है कि देश की सबसे महत्त्वपूर्ण एजंसी इतने बड़े स्तर पर मामला उठाते हुए किसी आरोप पर किस तरह काम करती है, कैसे आरोपपत्र तैयार करती है कि उसे खारिज किए जाने का एक आधार उसमें विरोधाभास होना होता है। यह मामला वर्ष 2021-22 के दौरान दिल्ली आबकारी नीति से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य राजस्व बढ़ाना और शराब के कारोबार में सुधार करना बताया गया था। हालांकि बाद में इसमें घोर अनियमितता के आरोप लगे और मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई। इसके बाद ईडी और सीबीआइ की ओर से यह आरोप लगाया गया कि इस नीति के जरिए निजी कंपनियों को अनुचित फायदा पहुंचाया गया। इस आरोप में मनीष सिसोदिया और बाद में अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार किया गया था।सुनवाई के बाद अदालत ने पाया कि इस मामले में लगाए गए आरोपों के पक्ष में ठोस और विश्वसनीय सबूत नहीं थे। लिहाजा अदालत ने मामले को रद्द कर दिया और सभी तेईस आरोपियों को आरोपों से मुक्त कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी सीबीआइ के लिए बेहद असुविधाजनक होनी चाहिए कि उसने केवल अनुमानों के आधार पर साजिश की कहानी गढ़ने की कोशिश की।

देखा जाए तो यह 2017 के बाद पीएम मोदी की दूसरी इजरायल यात्रा 2026 में हुई, जो द्विपक्षीय व्यापार को कई अरब डॉलर तक ले जाने में सहायक सिद्ध हुई। जहां तक इस यात्रा के रणनीतिक महत्व की बात है तो यह यात्रा बढ़ते ईरान-अमेरिका तनाव और अमेरिकी नौसेना की तैनाती के बीच हुई, जो इजरायल को मजबूती प्रदान करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा भारत-इजरायल संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वैश्विक भू-राजनीति में बदलते समीकरणों को दर्शाती है। यह यात्रा पश्चिम एशिया की अस्थिरता के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देती है। इस बार मोदी ने इजरायल संसद केनेसेट को संबोधित किया, जहां उन्होंने 7 अक्टूबर 2023 हमले के बाद भारत के इजरायल समर्थन की पुष्टि की और ईरान द्वारा शह प्राप्त हमास की मानवता द्रोही कार्रवाई की भर्त्सना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा के कूटनीतिक निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा, व्यापार और आतंकवाद विरोधी सहयोग पर जोर दिया।देखा जाए तो यह 2017 के बाद पीएम मोदी की दूसरी इजरायल यात्रा 2026 में हुई, जो द्विपक्षीय व्यापार को कई अरब डॉलर तक ले जाने में सहायक सिद्ध हुई। जहां तक इस यात्रा के रणनीतिक महत्व की बात है तो यह यात्रा बढ़ते ईरान-अमेरिका तनाव और अमेरिकी नौसेना की तैनाती के बीच हुई, जो इजरायल को मजबूती प्रदान करती है। वहीं नेतन्याहू का प्रस्तावित हेक्सागन गठबंधन (भारत, इजरायल, ग्रीस, साइप्रस आदि) चीन-पाकिस्तान-तुर्की धुरी के विरुद्ध एक रणनीतिक संतुलन भी बनाता है। यह वैश्विक कूटनीति में नहले पर दहले की तरह समझा जा रहा है।

जिस तरह से भारत, इजरायल का सबसे बड़ा हथियार खरीदार बन चुका है, उससे दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व की सुरक्षा का समीकरण प्रभावित होना स्वाभाविक है। इससे अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय देशों को भी भारत की कूटनीतिक स्वायत्तता का एहसास हुआ है, जो भारत को एशिया की दूसरी और दुनिया की तीसरी-चौथी महत्वपूर्ण शक्ति बनाने की दिशा में सक्रिय है।

जहां तक इस यात्रा के आर्थिक आयामों की बात है तो दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सकारात्मक चर्चा हुई, जो दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। खासकर आईएमईसी कॉरिडोर (भारत-मध्य पूर्व-यूरोप) पर यूएई के साथ त्रिपक्षीय सहयोग से वैश्विक व्यापार को एक नया आकार मिलने की संभावना है। वहीं कृषि, जल प्रबंधन और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में इजरायली विशेषज्ञता भारत के विकास को काफी बढ़ावा देगी।

शायद यही वजह है कि अरब जगत में खलबली मची है और इस्लामिक कट्टरता को हवा देने वाले पश्चिमी और पूर्वी देशों में बेचैनी भी। इस प्रकार की वैश्विक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। जहां मोदी की इजरायल यात्रा से इस्लामी देशों की मीडिया में खलबली मची, क्योंकि यह इस्लामी उग्रवाद विरोधी एक्सिस का संकेत माना गया। वहीं फिलिस्तीन समर्थन बनाए रखते हुए अमेरिका को सिग्नल देते हुए भारत ने ग्लोबल साउथ में संतुलित भूमिका निभाई,।

वहीं इस यात्रा ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की वैश्विक छवि को मजबूत किया, जो गाजा संकट के बीच चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि आए दिन बढ़ते वैश्विक इस्लामिक कट्टरता परस्त आतंकवाद, भीड़ हिंसा और लक्षित हमलों से भारत और इजरायल दोनों को खतरा है, इसलिए उनकी पारस्परिक और लाभप्रद एकजुटता भारत-इजरायल विरोधी देशों को चुभती रहती है। चूंकि भारत और इजरायल के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध 1992 में स्थापित हुए, जबकि भारत ने 1950 में ही इजरायल को मान्यता दी थी। खासकर मोदी सरकार के नेतृत्व में 2014 से द्विपक्षीय संबंध तेजी से मजबूत हुए, जिसमें उच्च स्तरीय यात्राएं और रक्षा-सहयोग प्रमुख रहे। इससे द्विपक्षीय लाभ में वर्ष दर वर्ष बढ़ोतरी दृष्टिगोचर हुई। रक्षा और सुरक्षा सहयोग के मद्देनजर इजरायल भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता है, जो ड्रोन, मिसाइल और खुफिया प्रणालियां प्रदान करता है।

दोनों देश आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एकजुट हैं, जो सीमा-पार खतरों से निपटने में सहायक सिद्ध होता है। जहां तक आर्थिक और तकनीकी साझेदारी की बात है तो व्यापार में भारत इजरायल का एशिया में दूसरा सबसे बड़ा साझेदार है, जिसमें कृषि, जल प्रबंधन, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग शामिल हैं। आई2 (भारत, इजरायल, यूएई, अमेरिका) और आईएमईसी जैसे मंच आर्थिक गलियारों को बढ़ावा देते हैं। भारत-इजरायल की दोस्ती से भू-राजनीतिक प्रभाव भी बढ़ा है। यह दोस्ती जहां चीन की मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में बढ़ती प्रभाव को संतुलित करने में मदद करती है। वहीं ईरान-प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक ध्रुव बनाकर स्थिरता सुनिश्चित होती है, जबकि भारत फिलिस्तीन समर्थन बनाए रखता है। इससे वैश्विक मंचों पर भी सामंजस्य बढ़ा है। खासकर संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दोनों आतंकवाद-विरोध और सुधारों पर सहमत हैं। 2026 में संयुक्त कार्ययोजना से कूटनीति, साइबर और संस्कृति में सहयोग बढ़ेगा। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करता है।

भारत-इजरायल संबंधों को आई2 गठबंधन ने नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह समूह (भारत, इजरायल, यूएई, अमेरिका) दोनों देशों के बीच सहयोग को बहुपक्षीय रूप प्रदान करता है। आई2 ने जल, ऊर्जा, परिवहन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा जैसे छह क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दिया है। भारत और इजरायल के बीच तकनीकी साझेदारी, जैसे सौर ऊर्जा परियोजनाएं और खाद्य पार्क, इसी से मजबूत हुई।

जहां तक अब्राहम समझौते के लाभ की बात है तो अब्राहम समझौते के बाद यूएई-इजरायल संबंध सामान्य होने से भारत बिना फिलिस्तीन संबंधों को नुकसान पहुंचाए इजरायल से गहरा जुड़ाव बना पाया। इससे भारत की पश्चिम एशिया नीति में संतुलन आया। भू-राजनीतिक मजबूती मिली। यह गठबंधन चीन के मध्य पूर्व प्रभाव को काउंटर करता है, जबकि भारत-इजरायल रक्षा और साइबर सहयोग बढ़ा। आई2 ने आईएमईसी जैसे कॉरिडोर को सपोर्ट किया, जो भारत की कनेक्टिविटी रणनीति को मजबूत करता है।

अतीत की बात करें तो मोदी की 2017 इजरायल यात्रा ने भारत-इजरायल संबंधों को ऐतिहासिक मोड़ दिया। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा थी, जिसने द्विपक्षीय सहयोग को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा प्रदान किया। इससे रक्षा सहयोग में उछाल आया। यात्रा के दौरान रक्षा समझौतों पर जोर दिया गया, जिसमें मिसाइल प्रणाली और ड्रोन तकनीक शामिल थी। नेतन्याहू के साथ मोदी की साझा सड़क यात्रा ने आतंकवाद-विरोधी एकजुटता को मजबूत किया। वहीं कृषि और जल प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस परियोजनाओं का विस्तार हुआ, जो भारत के किसानों को ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीक प्रदान करती हैं। इनसे द्विपक्षीय व्यापार 5 बिलियन से अधिक पहुंचा। वहीं नवाचार और स्टार्टअप सेतु इनोवेशन ब्रिज पहल ने स्टार्टअप्स और साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाया। यात्रा ने आई2 जैसे बहुपक्षीय मंचों की नींव रखी, जो अब्राहम समझौते से जुड़े। यह भारत की पश्चिम एशिया नीति को संतुलित बनाती है। खासकर मोदी की पिछली इजरायल यात्रा के दौरान सात प्रमुख समझौते हस्ताक्षरित हुए, जिन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत आधार प्रदान किया। ये समझौते मुख्यतः कृषि, जल प्रबंधन, अंतरिक्ष और अनुसंधान पर केंद्रित थे। जल और कृषि क्षेत्र में गंगा सफाई, जल संरक्षण तथा स्वच्छता कार्यक्रमों के लिए यूपी जल निगम और इजरायल ऊर्जा-जल विभाग के बीच करार हुआ। कृषि विकास कार्यक्रम तथा ड्रिप इरिगेशन जैसी तकनीकों पर तीन वर्षीय कार्ययोजना बनी। वहीं, अंतरिक्ष एवं नवाचार सहयोग से छोटे सैटेलाइट्स, परमाणु घड़ी निर्माण तथा जियो-लियो ऑप्टिकल लिंक पर तीन समझौते हुए। अनुसंधान एवं नवोन्मेष के लिए 260 करोड़ रुपये का साझा फंड स्थापित किया गया। वहीं अतिरिक्त घोषणाएं जैसे यात्रा में प्रत्यक्ष एमओयू के अलावा ओसीआई कार्ड, सांस्कृतिक केंद्र तथा तेल अवीव-दिल्ली फ्लाइट सेवाओं की घोषणा हुई। ये कदम रक्षा उत्पादन तथा आतंकवाद-विरोधी सहयोग को भी बढ़ावा देते हैं।

सैटेलाइट्स तथा जियो-लियो लिंक से इसरो की क्षमता मजबूत हुई, जिससे कृषि निगरानी और आपदा प्रबंधन बेहतर हुआ। जबकि 260 करोड़ के संयुक्त फंड ने 100+ स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान की। इनसे द्विपक्षीय व्यापार 10 बिलियन तक पहुंचा तथा आत्मनिर्भर भारत को प्रेरणा मिली। रक्षा-सहयोग में भी अप्रत्यक्ष लाभ हुआ, जो आतंकवाद-विरोधी प्रयासों को मजबूत करता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ईरान से भारत क्या खरीदता है, क्या बेचता है, इजरायली हमले से कितना असर पड़ेगा

(अमित शुक्ला)

मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया है। ईरान पर अमेरिका के समर्थन के साथ इजरायल के हमलों के बाद ऐसा हुआ है। चूंकि भारत और ईरान के बीच द्विपक्षीय व?यापार बहुत ज?यादा नहीं है। लिहाजा, मौजूदा तनाव का सीधे तौर पर दोनों देशों के बीच कॉमर्स पर ज?यादा असर नहीं होगा। दूसरे शब्?दों में कहें तो भारत की इकोनॉमी पर इसका कोई खास असर नहीं होगा। भारत और ईरान के बीच ज?यादातर व?यापार दवाओं और फलों तक सीमित है। 2024-25 में ईरान के साथ भारत का बाइलेटरल ट्रेड 1.68 अरब डॉलर था। यह 2018-19 के 17.03 अरब डॉलर से बहुत कम है। 1.68 अरब डॉलर का आंकड़ा 2024-25 में भारत के कुल बाइलेटरल ट्रेड यानी 1.74 ट्रिलियन डॉलर का 0.01 फीसदी है।

अमेरिकी राष्?ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कन्फर्म किया कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक मिलिट्री कैंपेन शुरू किया है। उन्होंने इस ऑपरेशन को बहुत बड़ा और लगातार चलने वाला बताया। इसका मकसद ईरानी शासन से आने वाले खतरों को बेअसर करना बताया। 2024-25 में ईरान के साथ भारत का बाइलेटरल ट्रेड 1.68 अरब डॉलर था, जो 2018-19 के 17.03 अरब डॉलर से बहुत कम है।

2024-25 में 1.68 अरब डॉलर का आंकड़ा भारत के कुल बाइलेटरल ट्रेड 1.74 ट्रिलियन डॉलर का 0.01 फीसदी है। इस तेज गिरावट का मुख्य कारण पिछले पांच सालों में ईरान से कच्चे तेल के इम्पोर्ट में अमेरिकी बैन की वजह से आई कमी है। सही कहें तो 2024-25 में ईरान से भारत का इम्पोर्ट 0.44 अरब डॉलर था, जबकि मिडिल ईस्ट के देश को एक्सपोर्ट 1.24 अरब डॉलर था।

ईरान को भारत के मुख्य एक्सपोर्ट में बासमती चावल, चाय, चीनी, ताजे फल और दवाएं/फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं। वहीं, ईरान से भारत को होने वाले मुख्य एक्सपोर्ट में सेब, पिस्ता, खजूर और कीवी शामिल हैं। हालांकि, मौजूदा तनाव इजरायल के साथ व्यापार पर असर डाल सकते हैं। इसके साथ भारत का व्यापार लगातार बढ़ रहा है।

पिछले दस सालों में इजरायल को भारत का एक्सपोर्ट 21 फीसदी बढ़ा है। इसकी मुख्य वजह डिफेंस और हाई-टेक्नोलॉजी इक्विपमेंट शिपमेंट में बढ़ोतरी है।

भारत का इजरायल से हथियारों और गोला-बारूद का इम्पोर्ट लगभग 100 गुना बढ़ गया है। यह वित्त वर्ष 2012-13 में लगभग 10 लाख डॉलर था। तब से यह बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 10.4 करोड़ डॉलर हो गया है। एयरक्राफ्ट, स्पेसक्राफ्ट और उनसे जुड़े पार्ट्स का इम्पोर्ट भी तेजी से बढ़ा है। यह इस दौरान 3.18 करोड़ डॉलर से बढ़कर 19.3 करोड़ डॉलर हो गया है। यह कुल मिलाकर व्यापार की मात्रा स्थिर रहने के बावजूद गहरे स्ट्रैटेजिक सहयोग का संकेत देता है।

दोतरफा संबंधों के अलावा बड़ी क्षेत्रीय अस्थिरता ग्लोबल शिपिंग के लिए जोखिम पैदा करती है। एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले एक जरूरी रास्ते रेड सी कॉरिडोर में रुकावट से माल ढुलाई और इंश्योरेंस की लागत बढ़ने की उम्मीद है। ज?यादा लॉजिस्टिक्स लागत पश्चिमी बाजारों में भारत के एक्सपोर्ट को कम कर सकती है। इम्पोर्ट बिल बढ़ा सकती है। यह बात खास तौर से एनर्जी और इंटरमीडिएट सामानों पर लागू होता है। एनालिस्ट के मुताबिक, हमले के बाद भारत की तेल सप्लाई में रुकावट का खतरा फिर से बढ़ गया है। इससे होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट आ सकती है, जो भारत के कच्चे तेल के इंपोर्ट के लिए अहम रास्ता है। उनका कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट पर रोक लगने से भारत के महीने के कुल इंपोर्ट का 50 प्रतिशत तक प्रभावित होगा।

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा।

(उमेश चतुर्वेदी)

आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है।

ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं।

जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा।

भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी

खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवत- देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है।

भारत मंडपम् में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुद्दे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

होली
पर्व एक रंग अनेक

वैसे तो हर त्यौहार का अपना एक रंग होता है जिसे आनंद या उल्लास कहते हैं लेकिन हरे, पीले, लाल, गुलाबी आदि असल रंगों का भी एक त्यौहार पूरी दुनिया में हिंदू धर्म के मानने वाले मनाते हैं। यह है होली का त्यौहार इसमें एक और रंगों के माध्यम से संस्कृति के रंग में रंगकर सारी भिन्नताएं मिट जाती हैं और सब बस एक रंग के हो जाते हैं वहीं दूसरी और धार्मिक रूप से भी होली बहुत महत्वपूर्ण हैं। मान्यता है कि इस दिन स्वयं को ही भगवान मान बैठे हरिण्यकशिपु ने भगवान की भक्ति में लीन अपने ही पुत्र प्रह्लाद को अपनी बहन होलिका के जरिये जिंदा जला देना चाहा था लेकिन भगवान ने भक्त पर अपनी कृपा की और प्रह्लाद के लिये बनाई चिता में स्वयं होलिका जल मरी। इसलिये इस दिन होलिका दहन की परंपरा भी है। होलिका दहन से अगले दिन रंगों से खेला जाता है इसलिये इसे रंगवाली होली और दुलहंडी भी कहा जाता है।

होली, इस त्यौहार का नाम सुनते ही अनेक रंग हमारी आंखों के सामने फैलने लगते हैं। हम खुदको भी विभिन्न रंगों में पुता हुआ महसूस करते हैं। लेकिन इस रंगीली होली को तो असल में धुलंडी कहा जाता है। होली तो असल में होलीका दहन का उत्सव है जिसे बुराई पर अच्छाई की जीत के रुप में मनाया जाता है। यह त्यौहार भगवान के प्रति हमारी आस्था को मजबूत बनाने व हमें आध्यात्मिकता की और उन्मुख होने की प्रेरणा देता है। क्योंकि इसी दिन भगवान ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा की और उसे मारने के लिये छल का सहारा लेने वाली होलीका खुद जल बैठी। तभी से हर साल फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होलिका दहन किया जाता है। कई स्थानों पर इस त्योहार को छोटी होली भी कहा जाता है। आइये जानते हैं क्या है होली की पूजा विधि? कैसे बनाते हैं होली? कब करें होली का दहन?

कैसे बनाते हैं होली

होलिका दहन से पहले होली बनाई जाती है इसकी प्रक्रिया एक महीने पहले ही माघ पूर्णिमा के दिन शुरु हो जाती है। इस दिन गुलर वृक्ष की टहनी को गांव या मोहल्ले में किसी खुली जगह पर गाड़ दिया जाता है, इसे होली का डंडा गाड़ना भी कहते हैं। इसके बाद कंटीली झाड़ियां या लकड़ियां इसके इर्द गिर्द इकट्ठा की जाती हैं। घनी आबादी वाले गांवों में तो मोहल्ले के अनुसार अलग-अलग होलियां भी बनाई जाती हैं। उनमें यह भी प्रतिस्पर्धा होती है कि किसकी होली ज्यादा बड़ी होगी। हालांकि वर्तमान में इस चलन में थोड़ी कमी आयी है इसका कारण इस काम को करने वाले बच्चे, युवाओं की अन्य चीजों में बढ़ती व्यस्तताएं भी हैं। फिर फाल्गुन पूर्णिमा के दिन गांव की महिलाएं, लड़कियां होली का पूजन करती हैं। महिलाएं और लड़कियां भी सात दिन पहले से गाय के गोबर से ढाल, बिड़कले आदि बनाती हैं, गोबर से ही अन्य आकार के खिलौने भी बनाए जाते हैं फिर इनकी मालाएं बनाकर पूजा के बाद इन्हें होली में डालती हैं। इस तरह होलिका दहन के लिये तैयार होती है। होलिका दहन के दौरान जो डंडा पहले गड़ा था उसे जलती होली से बाहर निकालकर तालाब आदि में डाला जाता है इस तरह इसे प्रह्लाद का रुप मानकर उसकी रक्षा की जाती है। निकालने वाले को पुरस्कृत भी किया जाता है। लेकिन जोखिम होने से यह चलन भी धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है।

होली पूजा विधि

होलिका दहन से पहले होली का पूजन किया जाता है। पूजा सामग्री में एक लोटा गंगाजल यदि उपलब्ध न हो तो ताजा जल भी लिया जा सकता है, रोली, माला, रंगीन अक्षत, गंध के लिये धूप या अगरबत्ती, पुष्प, गुड़, कच्चे सूत का धागा, साबूत हल्दी, मूंग, बताशे, नारियल एवं नई फसल के अनाज गेंहू की बालियां, पके चने आदि।

पूजा सामग्री के साथ होलिका के पास गोबर से बनी ढाल भी रखी जाती है। होलिका दहन के शुभ मुहूर्त के समय चार मालाएं अलग से रख ली जाती हैं। जो मौली, फूल, गुलाल, ढाल और खिलौनों से बनाई जाती हैं। इसमें एक माला पितरों के नाम की, दूसरी श्री हनुमान जी के लिये, तीसरी शीतला माता, और चौथी घर परिवार के नाम की रखी जाती है। इसके पश्चात पूरी श्रद्धा से होली के चारों और परिक्रमा करते हुए कच्चे सूत के धागे को लपेटा जाता है। होलिका की परिक्रमा तीन या सात बार की जाती है। इसके बाद शुद्ध जल सहित अन्य पूजा सामग्रियों को एक एक कर होलिका को अर्पित किया जाता है। पंचोपचार विधि से होली का पूजन कर जल से अर्घ्य दिया जाता है। होलिका दहन के बाद होलिका में कच्चे आम, नारियल, सतनाज, चीनी के खिलौने, नई फसल इत्यादि की आहुति दी जाती है। सतनाज में गेहूं, उड़द, मूंग, चना, चावल जौ और मसूर मिश्रित करके इसकी आहुति दी जाती है। नारद पुराण के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन (रंग वाली होली के दिन) प्रात-काल उठकर आवश्यक नित्यक्रिया से निवृत्त होकर पितरों और देवताओं के लिए तर्पण-पूजन करना चाहिए। साथ ही सभी दोषों की शांति के लिए होलिका की विभूति की वंदना कर उसे अपने शरीर में लगाना चाहिए। घर के आंगन को गोबर से लीपकर उसमें एक चौकोर मण्डल बनाना चाहिए और उसे रंगीन अक्षतों से अलंकृत कर उसमें पूजा-अर्चना करनी चाहिए। ऐसा करने से आयु की वृद्धि, आरोग्य की प्राप्ति तथा समस्त इच्छाओं की पूर्ति होती है। होलिका पूजन के लिये व्रत व पूजा विधि एस्ट्रोयोगी पर देश के जाने-माने ज्योतिषाचार्यों से जान सकते हैं। परामर्श करने के लिये लिंक पर क्लिक करें।

कब करें होली का दहन

हिन्दू धर्मग्रंथों एवं रीतियों के अनुसार होलिका दहन पूर्णमासी तिथि में प्रदोष काल के दौरान करना बताया है। भद्रा रहित, प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा तिथि, होलिका दहन के लिये उत्तम मानी जाती है। यदि ऐसा योग नहीं बैठ रहा हो तो भद्रा समाप्त होने पर होलिका दहन किया जा सकता है। यदि भद्रा मध्य रात्रि तक हो तो ऐसी परिस्थिति में भद्रा पूंछ के दौरान होलिका दहन करने का विधान है। लेकिन भद्रा मुख में किसी भी सूरत में होलिका दहन नहीं किया जाता। धर्मसिंधु में भी इस मान्यता का समर्थन किया गया है। शास्त्रों के अनुसार भद्रा मुख में होली दहन से न केवल दहन करने वाले का अहित होता है बल्कि यह पूरे गांव, शहर और देशवासियों के लिये भी अनिष्टकारी होता है। विशेष परिस्थितियों में यदि प्रदोष और भद्रा पूंछ दोनों में ही होलिका दहन संभव न हो तो प्रदोष के पश्चात होलिका दहन करना चाहिये। यदि भद्रा पूँछ प्रदोष से पहले और मध्य रात्रि के पश्चात व्याप्त हो तो उसे होलिका दहन के लिये नहीं लिया जा सकता क्योंकि होलिका दहन का मुहूर्त सूर्यास्त और मध्य रात्रि के बीच ही निर्धारित किया जाता है।

होली पूजा का महत्व

घर में सुख-शांति, समृद्धि, संतान प्राप्ति आदि के लिये महिलाएं इस दिन होली की पूजा करती हैं। होलिका दहन के लिये लगभग एक महीने पहले से तैयारियां शुरु कर दी जाती हैं। कांटेदार झाड़ियों या लकड़ियों को इकट्ठा किया जाता है फिर होली वाले दिन शुभ मुहूर्त में होलिका का दहन किया जाता है।

होलाष्टक

होलिका दहन से आठ दिन पूर्व होलाष्टक लग जाता है इस दौरान किसी भी शुभ कार्य को नहीं किया जाता ना ही कोई धार्मिक संस्कार किया जाता है। यहां तक कि अंतिम संस्कार के लिये भी शांति पूजन करना आवश्यक होता है।

होलिका दहन का शुभ मुहूर्त

होलिका दहन गुरुवार, मार्च 17, 2022 को किया जाएगा. इस साल होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात में 9 बजकर 16 मिनट से लेकर 10 बजकर 16 मिनट तक ही रहेगा. ऐसे में होलिका दहन की पूजा के लिए आपको सिर्फ 1 घंटे 10 मिनट का ही समय मिलेगा. इसके अगले दिन शुक्रवार, 18 मार्च 2022 को रंगवाली होली खेली जाएगी.

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ - मार्च 17, 2022 को 01 बजकर 29 मिनट से शुरू होगी

पूर्णिमा तिथि समाप्त - मार्च 18, 2022 को 12 बजकर 47 तक रहेगी

राशिनुसार किस रंग से खेलें होली

होली है भई होली है, मस्तानों की टोली है, कोई रंगों में सराबोर है, किसी की भीगी चोली है। अपनी खुशी, अपनी मस्ती और अपने उत्साह, उमंग को पिचकारी से छोड़ता हुआ सबको अपने रंग में रंगने को आतुर होली का त्यौहार सर पर आन खड़ा है। गली-महोल्लों से लेकर गांव-शहर तक विभिन्न चेहरे विभिन्न रंगों में एक दूसरे को रंग लताते, भीगते-भिगोते नजर आयेंगें। ऐसे में यदि इस त्यौहार को आप अपनी सूर्य राशि के अनुसार रंगों का प्रयोग करेंगें तो यकीन मानिये आपकी खुशियां और भी अधिक बढ जायेंगी। तो आइये जानते हैं किसी राशि पर कौनसा रंग चढ़ने से भविष्य होगा रंगीन।

आपकी राशि और रंग

मेष - इस राशि के जातक उत्साही होते हैं। इस बार होली के पर्व पर यदि आप लाल और गुलाबी रंग का इस्तेमाल करेंगें तो यह आपके लिये काफी भाग्यशाली रहेगा।

वृषभ - वृषभ जातकों के लिए यदि कोई रंग सबसे अधिक अनुकूल है तो वह है हल्का नीला और आसमानी रंग। यह रंग उनमे सहजता प्रदान करता है और उनके जीवन में स्थिरता और सौहार्द लेकर आता है।

मिथुन - मिथुन राशि के जातक इस होली पर हल्के हरे रंग से खेल सकते हैं। वैसे नारंगी व गुलाबी रंग भी इनके लिये सही रहेंगें। ये रंग इनमें रोमांच, उत्साह व उर्जा का संचार तो करेंगें ही साथ ही समृद्धि लाने वाले भी साबित होंगें।

कर्क - कर्क राशि के जातक भावुक होते हैं इसलिये इन्हें हल्का नीला, चांदी और सफेद रंग से होली का त्यौहार मनाना चाहिये। इससे इन्हें शांति और धीरज तो मिलेगा ही साथ ही इनके चंचल स्वभाव को सफेद रंग काबू में रख संयमी बनायेगा और आपका त्यौहार काफी अच्छे से मनेगा।

सिंह - सिंह जातक काफी उर्जावान होते हैं, इनकी प्रचडंता को काबू में रखने के लिये महरुम रंग कारगर होगा। इसके अलावा सुनहरा और तांबा रंग भी इस अग्नि राशि के लिए अनुकूल हैं।

कन्या - आपके लिये गहरा हरा रंग काफी शुभ रहेगा। इस

रंग के प्रयोग से आप अपने अंदर एक नई स्फूर्ति एक नये जोश को महसूस करेंगें। यह रंग आपके स्वभाव को भी सौम्य बनायेगा जिससे आप इस जोशीले त्यौहार का खुशी के पूरे उन्माद से आनंद ले पायेंगें।

तुला - सफेद रंग के अलावा आप बैंगनी, भूरा और नीले रंग का इस्तेमाल कर सकते हैं। अपने आपको धीर और संयमी बनाये रखने के लिये आप हल्के नीले रंग के वस्त्राभूषण धारण कर सकते हैं।

वृश्चिक - गहरे लाल, मरून, और भूरे रंग से ही वृश्चिक रंग पर बेहतर प्रभाव रहेगा। उनमें से अधिक व्यक्तियों को गहरा लाल रंग चुनना चाहिए क्योंकि यह रंग उनके सशक्त व्यक्तित्व को उजागर करेगा।

धनु - पीला और संतरी रंग धनु राशि के जातकों के लिये बहुत अच्छा रहेगा इस होली पर क्योंकि इस राशि के जातक अति उत्साही होते हैं इसलिये यह रंग इनके लिये बहुत उपयोगी होंगें।

मकर - इस राशि के जातक हल्के नीले व आसमानी रंगों का इस्तेमाल करें। इन रंगों के इस्तेमाल से आपमें सकारात्मक उर्जा का संचार होगा व व्यक्तित्व में स्थिरता भी आयेगी।

कुम्भ - इस राशि के जातक गहरे नीले रंग को काफी शुभ माना जाता है। कुम्भ जातक हमेशा कुछ न कुछ नया करने के प्रयास में रहते हैं। इसलिये यह इनमें उर्जा का संचार तो करेगा ही साथ ही व्यस्ता भरे जीवन में शांति व सुकून भी लेकर आयेगा।

मीन - मीन राशि के जातकों के व्यक्तित्व में अक्सर चटकते-भड़कते रंग भावनात्मक रुप से अच्छा प्रभाव डालने में सक्षम होते हैं। लेकिन पीले या हल्के पीले रंग के इस्तेमाल से इनमें अतिउत्साह व जोश का संचार होगा।

इन बातों का भी रखें ध्यान

सबसे पहले प्रात- उठकर भगवान विष्णु, भगवान श्री कृष्ण एवं अपने आराध्य देवों की लाल गुलाल और फूलों से पूजा करें। आराध्य देवों की पूजा के बाद घर के बड़े-बुजूर्गों से आशीर्वाद लें। पूजा अर्चना के बाद जरुरतमंदों को कुछ दान करें तो बहुत पुण्य मिलेगा। सभी राशियों के जातक इस बात का विशेष ध्यान रखें कि होली प्राकृतिक रंगों से ही खेलें, प्रेमभाव से खेलें अन्यथा यह आपकी सेहत के लिये तो हानिकारक साबित होंगें ही साथ ही आपके संबंधों में भी सदियों के लिये खटास पैदा हो सकती है। और कहा भी जाता है कि प्यार के रंग से बढकर कोई रंग नहीं होता इसलिये प्रेम भाईचारे के रंग में रंगते हुए होली का यह पवित्र पर्व मनायें। आप सबको होली के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनायें।

फाल्गुन पूर्णिमा

फाल्गुन जहां हिन्दू नव वर्ष का अंतिम महीना होता है तो फाल्गुन पूर्णिमा वर्ष की अंतिम पूर्णिमा के साथ-साथ वर्ष का अंतिम दिन भी होती है। फाल्गुनी पूर्णिमा का धार्मिक रूप से तो महत्व है ही साथ ही सामाजिक-सांस्कृतिक नजरिये से भी बहुत महत्व है। पूर्णिमा पर उपवास भी किया जाता है जो सूर्योदय से आरंभ कर चंद्रोदय तक रखा जाता है। वहीं इस त्यौहार की सबसे खास बात यह है कि यह दिन होली पर्व का दिन होता है जिसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है और तमाम लकड़ियों को इकट्ठा कर सभी प्रकार की नकारात्मकताओं की होली जलाई जाती है।

क्या है पूर्णिमा व्रत की कथा

फाल्गुन पूर्णिमा के व्रत की वैसे तो अनेक कथाएं हैं लेकिन नारद पुराण में जो कथा दी गई है वह असुर राज हरिण्यकश्यपु की बहन राक्षसी होलिका के दहन की कथा है जो भगवान विष्णु के भक्त व हरिण्यकश्यपु के पुत्र प्रह्लाद को जलाने के लिये अग्नि स्नान करने बैठी थी लेकिन प्रभु की कृपा से होलिका स्वयं ही अग्नि में भस्म हो जाती है। इस प्रकार मान्यता है कि इस दिन लकड़ियों, उपलों आदि को इकट्ठा कर होलिका का निर्माण करना चाहिये व मंत्रोच्चार के साथ शुभ मुहूर्त में विधिपूर्वक होलिका दहन करना चाहिये। जब होलिका की अग्नि तेज होने लगे तो उसकी परिक्रमा करते हुए खुशी का उत्सव मनाना चाहिये और होलिका दहन के साथ भगवान विष्णु व भक्त प्रह्लाद का स्मरण करना चाहिये। असल में होलिका अहंकार व पापकर्मों की प्रतीक भी है इसलिये होलिका में अपने अंहकार व पापकर्मों की आहुति देकर अपने मन को भक्त प्रह्लाद की तरह भगवान के प्रति समर्पित करना चाहिये।

क्या है पूर्णिमा व्रत की विधि

मान्यता है कि फाल्गुनी पूर्णिमा पर व्रत करने से व्रती के सारे संताप मिट जाते हैं सभी कष्टों का निवारण हो जाता है व श्रद्धालु पर भगवान विष्णु की विशेष कृपा होती है। व्रती को पूर्णिमा के दिन सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय यानि चंद्रमा दिखाई देने तक उपवास रखना चाहिये। प्रत्येक मास की पूर्णिमा में उपवास व पूजा करने की भिन्न भिन्न विधियां हैं। फाल्गुनी पूर्णिमा पर कामवासना का दाह किया जाता है ताकि निष्काम प्रेम के भाव से प्रेम का रंगीला पर्व होली मनाया जा सके। फाल्गुन मास की पूर्णिमा बहुत ही महत्वपूर्ण होती है इसलिये हमारी राय है कि आपको विद्वान ज्योतिषाचार्यों से परामर्श अवश्य करना चाहिये। एस्ट्रोयोगी पर आप देश के सुप्रसिद्ध आचार्यों से परामर्श ले सकते हैं। अभी बात करने के लिये यहां क्लिक करें। 2017 में फाल्गुनी पूर्णिमा व्रत 12 मार्च को रखा जायेगा। इसी दिन होलिका का दहन भी किया जायेगा।

ब्रज की होली
बरसाने की लठमार होली

होली फाल्गुन मास का सबसे खास और हिंदू वर्ष का सबसे अंतिम त्यौहार होता है। अंतिम इसलिये क्योंकि फाल्गुन पूर्णिमा हिंदू वर्ष का अंतिम दिन माना जाता है और अगले दिन यानि चैत्र प्रतिपदा से नव वर्ष की शुरुआत हो जाती है। तो इस त्यौहार में साल के जाने और नये साल के आने की खुशी तो शामिल होती ही है साथ ही फसलों के साथ भी इसका अहम रिश्ता है क्योंकि गेंहू आदि की फसलें पकने लग जाती हैं। इसलिये तो होलिका में अधपके अनाज प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। और इसी

खुशी में नाचना-गाना और एक दूसरे के प्रेम के रंग में रंग जाना होता है। हालांकि होली मनाने की कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन मान्यता यह है कि सबसे पहले होली भगवान श्री कृष्ण ने राधा रानी के साथ खेली थी इसलिये ब्रज की होली आज भी दुनिया भर में प्रसिद्ध है। तो आइये जानते हैं कुछ प्रसिद्ध होलिका उत्सवों के बारे में।

ब्रज की होली - ब्रज में होली के मुख्यत- दो रूप मिलते हैं एक ओर जहां यहां होली पर लठों की बरसात होती है तो दूसरी ओर फूलों की। जिस होली में लठों से मार पड़ती है उसे लठमार होली कहते हैं जिसमें लोग राधा-कृष्ण बनकर नृत्य करते हुए, लोकगीतों को गाते हुए फूलों से होली खेलते हैं वह फूलों की होली कहलाती है।

लठमार होली - बरसाने की लठमार होली जगत प्रसिद्ध है। इसमें नंदगांव (भगवान श्री कृष्ण के लालन-पालन का स्थान) के पुरूष बरसाना (राधा रानी का गांव) के राधारानी यानि की लाडली जी के मंदिर में ध्वजा फहराने का प्रयास करते हैं जिन्हें लठमार कर बरसाना कि महिलाएं दूर रखती हैं। पुरूष इसका प्रतिरोध नहीं कर सकते वे केवल गुलाल डाल सकते हैं लेकिन अगर कोई पुरूष महिलाओं की पकड़ में आ जाता है तो उसकी कुटाई तो होती ही है साथ ही उसे महिलाओं के कपड़े पहनकर श्रृंगार कर नाचना भी पड़ता है। फिर अगले दिन बरसाना के पुरूष नंदगांव की महिलाओं पर रंग डालने जाते हैं। होली का यह पर्व यहां कई दिनों तक चलता है।

फूलों की होली - वृंदावन सहित देश के कई हिस्सों में कृष्ण मंदिरों में होली के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन होते हैं जिसमें कलाकार राधा-कृष्ण का रूप धारण कर नृत्य करते हैं व फगुआ के गीत गाते हैं इसमें नृत्य के साथ-साथ एक दूसरे पर फूलों की बरसात भी की जाती है इस प्रकार फूलों की होली खेली जाती है। अबीर गुलाल को प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है जिससे वातावरण भी मनमोहक हो जाता है। फूलों की खुशबू तो आनंदित करती ही है।

फाग - हरियाणा सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश में होली देवर-भाभी के प्रेम का त्यौहार भी है इस दिन भाभियां अपने देवर को दुपट्टे से बनाये गये कौड़े से पीटती हैं व देवर भाभियों को रंग लगाने के साथ-साथ उन पर पानी भी डालते हैं। इस क्षेत्र में रंगवाली होली के फाग के नाम से भी जाना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर ड्रोन हमला, कई कर्मचारी घायल

कुवैत। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कुवैत से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। कुवैत की

सिविल एविएशन अथॉरिटी ने पुष्टि की है कि 28 फरवरी 2026 को कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल– 1 पर ड्रोन हमला हुआ। इस घटना में एयरपोर्ट संपत्ति को नुकसान पहुंचा है और कुछ कर्मचारी घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हमला ऐसे समय में हुआ जब क्षेत्र के कई हिस्सों में मिसाइल और ड्रोन गतिविधियों में इजाफा देखा जा रहा है। पहले जारी बयानों में ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि उनके निशाने पर अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, जिनमें कुवैत स्थित अली अल सलेम एयर बेस भी शामिल है। यह बेस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ड्रोन हमले के बाद इलाके में सुरक्षा सतर्कता और बढ़ा दी गई है। कई खाड़ी देशों ने अपने एयरस्पेस में एहतियाती कदम उठाए हैं और कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से उड़ान संचालन रोका गया है। कुवैत एयरपोर्ट ने भी सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए परिचालन सीमित कर दिया था। फिलहाल अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं और हमले के स्रोत व परिस्थितियों की जांच जारी है। क्षेत्रीय सरकारें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और समन्वित प्रतिक्रिया के लिए आपसी संपर्क में हैं। आधिकारिक और सत्यापित अपडेट का इंतजार किया जा रहा है।

201 लोगों की मौत, 700 से ज्यादा घायल... इजरायल-अमेरिका के हमले ने मचाई तबाही

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में चल रही कूटनीतिक हलचल के बीच शनिवार को हालात

अचानक युद्ध जैसे बन गए। इजरायल और अमेरिका ने ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों पर व्यापक हवाई कार्रवाई की, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर पहुंच गया। जवाबी कदम उठाते हुए ईरान ने भी मिसाइल हमलों की श्रृंखला शुरू कर दी, जिससे हालात और विस्फोटक हो गए। ईरानी राहत एजेंसी के अनुसार, हमलों में अब तक 201 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 747 लोग घायल हुए हैं। यह आंकड़े शनिवार शाम जारी आधिकारिक बयान में सामने आए। संगठन ने बताया कि देश के 31 में से 24 प्रांत किसी न किसी रूप में हमलों से प्रभावित हुए हैं और राहत टीमें हाई अलर्ट पर काम कर रही हैं। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी, जो अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट मूवमेंट का हिस्सा है, ने प्रभावित इलाकों में आपात राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। दूसरी ओर, ने दावा किया है कि यह उसके इतिहास के सबसे बड़े एयर ऑपरेशनों में से एक था। इजरायली सेना के मुताबिक लगभग 200 लड़ाकू विमानों ने एक साथ अभियान चलाते हुए करीब 500 लक्ष्यों को निशाना बनाया। भारत सरकार की बड़ी पहल, विदेश में फंसे भारतीयों के लिए जारी किया हेल्पलाइन नंबर पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब आम नागरिकों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के बीच सऊदी अरब के जेद्दा शहर में मौजूद भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए भारत सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। जेद्दा में फंसे भारतीयों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर सक्रिय किए गए हैं। जरूरत पड़ने पर लोग व्हाट्सएप नंबर +966536209704 और लैंडलाइन नंबर 00 966 12 2614093 पर संपर्क कर सकते हैं। इन माध्यमों से आपात स्थिति में मार्गदर्शन, जानकारी और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

खामेनेई के खत्म होते ही मंडराया खतरा; इजरायल बनेगा सुपर पावर

तेहरान/यरूसलम, एजेंसी। इन तीन संगठनों के जरिए ईरान ने मिडल ईस्ट के तीन देशों पर भी अपना कंट्रोल कायम रखा है। जैसे हूती विद्रोहियों के चलते ईरान का यमन पर एक होल्ड रहा है। इसी तरह हिजबुल्लाह लेबनान में सक्रिय रहे हैं और इजरायल के लिए भी सिरदर्द बनते रहे हैं। हमास फिलिस्तीन में ऐक्टिव है और उसने ही इजरायल पर हमला किया था। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई को भी इजरायल और अमेरिका ने हमलों में मार गिराया है। खामेनेई के मारे जाते ही ईरान में 47 साल से चला आ रहा इस्लामिक शासन अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही अब चर्चा है कि अमेरिका कि पिट्ठू सरकार ही ईरान में कमान संभाल सकती है। अमेरिका में रह रहे ईरान के क्राउन प्रिंस रजा पहलवी को ही ईरान में अब सत्ता मिलने के कयास लग रहे हैं। इस बीच

एक्सपर्ट्स कयास लगा रहे हैं कि आखिर ईरान में खामेनेई के मारे जाने के बाद क्या बदल जाएगा। यही नहीं खामेनेई के मारे जाने से मिडल ईस्ट में भी बहुत कुछ बदल जाएगा। इसके कारण इजरायल सुपर पावर के तौर पर उभर सकता है। इसकी वजह यह है कि ईरान की सेना के समर्थन से चलने वाले उग्रवादी समूहों हमास, हूती और हिजबुल्लाह अब कमजोर हो जाएंगे। माना जाता रहा है कि इन तीनों को ईरान का समर्थन रहा है और इनके जरिए ही वह मध्य पूर्व में इजरायल और अमेरिका जैसी ताकतों का सामना करता रहा है। इसके अलावा सऊदी अरब और तुर्की के मुकाबले वह शिया इस्लाम की नुमाइंदगी भी मजबूती से करता रहा है। अब जबकि अमेरिका के समर्थन वाली सरकार बनने का रास्ता ईरान में साफ हो रहा है तो साफ है कि इन तीन संगठनों का भी वर्चस्व कम हो जाएगा। दिलचस्प तथ्य है कि इन तीन संगठनों के जरिए ईरान ने मिडल ईस्ट के तीन देशों पर भी अपना कंट्रोल कायम रखा है। जैसे हूती विद्रोहियों के चलते ईरान का यमन पर एक होल्ड रहा है। इसी तरह हिजबुल्लाह लेबनान में सक्रिय रहे हैं और इजरायल के लिए भी सिरदर्द बनते रहे हैं। गाजा और वेस्ट बैंक में सक्रिय आतंकी संगठन हमास को भी ईरान का समर्थन रहा है। ऐसे में अब जब ईरान से इस्लामिक शासन समाप्त हो जाएगा तो ये तीनों संगठन भी कमजोर होंगे, जो उसके समर्थन पर आश्रित रहे हैं। यह स्थिति सीधे तौर पर इलाके में इजरायल को फायदा पहुंचाएगी और वह सुपर पावर के तौर पर उभरेगा। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और कतर जैसे कई इस्लामिक देश लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी हैं। इसी के कारण वे इजरायल के भी करीब आए हैं और अदावत कम हुई है। ईरान ही एक ऐसा बड़ा देश रहा है, जो खुलकर इजरायल के खिलाफ था।

चीन हथियार दे तो भी नहीं टिक पाएगा ईरान

एक्सपर्ट्स ने बताया युद्ध लंबा चला तो क्या होगा

बीजिंग, एजेंसी। रक्षा विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल राजेन्द्र सिंह

(सेवानिवृत्त) बताते हैं कि ईरान पर हमले के पीछे अमेरिका के तीन लक्ष्य हैं। एक ईरान में सत्ता परिवर्तन, दूसरा उसके मिसाइल कार्यक्रम को ध्वस्त करना और तीसरा परमाणु कार्यक्रम पर आगे नहीं बढ़ने देना। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई से उत्पन्न हालात के बाद मध्य-पूर्व देशों में युद्ध के हालात बन चुके हैं। हालांकि रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस प्रकार से ईरान ने अमेरिकी बेसों पर जवाबी हमले किए हैं, उसके चलते अमेरिका इस संघर्ष को बहुत लंबे समय तक जारी नहीं रखना चाहेगा।

रक्षा विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल राजेन्द्र सिंह (सेवानिवृत्त) बताते हैं कि ईरान पर हमले के पीछे अमेरिका के तीन लक्ष्य हैं। एक ईरान में सत्ता परिवर्तन, दूसरा उसके मिसाइल कार्यक्रम को ध्वस्त करना और तीसरा परमाणु कार्यक्रम पर आगे नहीं बढ़ने देना। अमेरिका चाहता है कि ईरान को इतना कमजोर कर दिया जाए कि भविष्य में उससे किसी प्रकार का खतरा नहीं हो। दूसरी तरफ ईरान के हमले जवाबी हैं। यदि अमेरिकी हमले बंद हो जाएंगे तो वह भी बंद कर देगा। हालांकि, उसके पास इतनी ताकत नहीं है कि वह बहुत लंबे समय तक अमेरिका और इजरायल जैसे देशों का मुकाबला कर सके। उसके पास अच्छी मिसाइलें हैं, लेकिन उनके सहारे वह लंबा युद्ध नहीं लड़ सकता। इसलिए उसे अमेरिका के साथ बातचीत की टेबल पर आना ही पड़ेगा। सिंह ने कहा कि ईरान ने पिछली बार भी अमेरिकी हमलों का भरपूर जवाब दिया था और इस बार भी दे रहा है। लेकिन वह लगातार कमजोर भी हो रहा है। उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ी हुई है। रूस और चीन उसके समर्थन में दिखते हैं, लेकिन रूस मौजूदा समय में उसे हथियारों की मदद देने में सक्षम नहीं है। अलबत्ता चीन हथियारों से मदद कर सकता है, लेकिन यह अमेरिका-इजरायल से लड़ने के लिए काफी नहीं होगा। पूर्व एयर वाइस मार्शल ओपी तिवारी का कहना है कि ईरान के पास एयरफोर्स की ताकत कम है। इसलिए संघर्ष को लंबे समय तक जारी रखना उसके लिए आसान नहीं होगा। उसके समर्थन में हिजबुल्ला और कुछ शिया संगठन सामने आए हैं लेकिन ये संगठन अब पहले की भांति ताकतवर नहीं रहे हैं। युद्ध में ईरान की तबाही तय है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस युद्ध से तेल की कीमतें बढ़नी शुरू हो गई हैं। इससे दुनियाभर की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। मध्य-पूर्व के इन तमाम देशों से भारत भी तेल खरीदता है। तेल की कीमतों के साथ-साथ आपूर्ति में भी बाधा आ सकती है। हालांकि इसमें अमेरिका का फायदा है। उसके पास अभी वेनेजुएला का भी तेल है।

ईरान को मिलने वाला है नया सुप्रीम लीडर, अयातुल्ला खामेनेई के बेटे संभाल सकते हैं कमान

तेहरान, एजेंसी। ईरान को नया सुप्रीम लीडर मिलने वाला है। खबर है कि अमेरिका और इजरायल के हमले में मारे गए अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता चुना जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं हुआ है। इधर, तेहरान अभी तक अयातुल्ला खामेनेई की मौत की खबरों का खंडन करता रहा है। ईरान को नया सुप्रीम लीडर मिलने वाला है। खबर है कि अमेरिका और इजरायल के हमले में मारे गए अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता चुना जा सकता है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान नहीं हुआ है। इधर, तेहरान अभी तक अयातुल्ला खामेनेई की मौत की खबरों का खंडन करता रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुजतबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर चुना जा सकता है। इसका आधिकारिक ऐलान होना अभी बाकी है। कहा जा रहा था

कि ईरान में नए सुप्रीम लीडर की तैनाती जल्द से जल्द किए जाने की मांग की जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ढ्रक्त्ष्ट रविवार सुबह तक नए सर्वोच्च नेता की नियुक्ति चाहता था। मोजतबा खामेनेई मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के दूसरे सबसे बड़े बेटे हैं। वे एक मध्यम स्तर के धर्मगुरु हैं और उन्हें अपने पिता का उत्तराधिकारी माना जा रहा था। मोजतबा के ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के साथ बहुत करीबी रिश्ते हैं। हालांकि, ईरान ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले खामेनेई की मौत की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ईरानियों को अपने देश की बागडोर अपने हाथों में वापस लेने का सबसे बड़ा मौका मिला है। सरकारी मीडिया ने बताया कि 86 वर्षीय खामेनेई की तेहरान के मध्य क्षेत्र में उनके परिसर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले में मौत हुई। यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी एयरबस द्वारा ली गयी सैटेलाइट तस्वीरों में वह स्थान भारी बमबारी से क्षतिग्रस्त दिखायी दिया, जहां खामेनेई की मौत हुई है। सरकारी मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार, अमेरिकी-इजरायली हमलों में ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख और एक शीर्ष सुरक्षा सलाहकार की भी मौत हो गई है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने मेजर जनरल मोहम्मद पकपोर की मौत की घोषणा की, जिन्होंने पिछले साल जून में 12 दिन के युद्ध के दौरान इजरायल द्वारा गार्ड के पूर्व कमांडर की हत्या के बाद इस बल के शीर्ष कमांडर का पद संभाला था। आईआरएनए के अनुसार, अली शमखानी भी हमले में मारे गए। सुरक्षा तंत्र में एक प्रमुख और प्रभावशाली व्यक्ति रहे थे। सरकारी टीवी ने बताया कि खामेनेई के कार्यालय में हुई उनकी मौत यह दिखाती है कि वह लगातार जनता के बीच खड़े रहे और अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आगे रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, इतिहास के सबसे दुष्ट लोगों में से एक खामेनेई मारा जा चुका है।

मौत के समय क्या कर रहे थे खामेनेई, मोसाद ने ईरान में कैसे लगाई सेंध?

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि देश के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई शनिवार सुबह तेहरान स्थित अपने कार्यालय में मारे गए। इस हमले में आईआरजीसी चीफ मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर और अयातुल्ला खामेनेई के सीनियर सलाहकार अली शमखानी मारे गए हैं। इजरायल के पूर्व प्रेसिडेंट अहमदीनेजाद के मुताबिक, ईरान की सीक्रेट सर्विस ने ईरान के अंदर मोसाद एजेंट्स को टारगेट करने के लिए एक यूनिट बनाई थी। लेकिन इस यूनिट का हेड खुद मोसाद का एक ऑपरेटिव निकला, साथ में 20 और एजेंट्स भी थे। सरकारी टेलीविजन पर एक न्यूज एंकर ने रुंधे हुए गले और आंखों में आंसू लिए देश को सूचित किया कि ईरान अब 40 दिनों के राष्ट्रीय शोक में प्रवेश करेगा। इस हमले ने न केवल ईरान की सत्ता को हिला दिया है, बल्कि पूरे क्षेत्र को एक भीषण युद्ध की आग में झोंक दिया है। जिस समय इजरायल ने उन्हें मार गिराया, उस समय वह अपने दफ्तर में दैनिक काम कर रहे थे। इजरायल के चैनल 12 के मुताबिक, खामेनेई की बॉडी की एक फ़ोटो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को दिखाई गई। रिपोर्ट में बिना नाम वाले इजरायली अधिकारियों का जिक्र किया गया। पब्लिक ब्रॉडकास्टर कान ने यह भी बताया कि सीनियर इजरायली अधिकारियों को खामेनेई के खत्म होने की जानकारी दे दी गई थी और उनकी बॉडी तेहरान में उनके कंपाउंड के मलबे से मिली थी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शनिवार सुबह शुरू हुए स्-इजरायली हमलों में खमेनेई के साथ उनकी बेटी, पोता, बहू और दामाद भी मारे गए। ईरान के डिफेंस मिनिस्टर अजीज नसीरजादेह और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर मोहम्मद पाकपुर भी हमलों में मारे गए हैं। रेड क्रिसेंट के अनुसार, इजरायल और अमेरिका द्वारा किए गए इन हवाई हमलों में अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। बीबीसी और सीबीएस न्यूज की रिपोर्टों के मुताबिक, मरने वालों में कम से कम 40 वरिष्ठ ईरानी अधिकारी शामिल हैं। ख्क्ष्ट ने सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए खामेनेई के कार्यालय लीडरशिप हाउस को हुए भारी नुकसान की पुष्टि की है। आईआरजीसी से जुड़ी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने कहा कि खामेनेई की अपने कार्यालय में मौजूदगी यह साबित करती है कि उनके छिपने की खबरें महज दुश्मन का मनोवैज्ञानिक युद्ध थीं। खामेनेई की मौत के जवाब में ईरान ने पूरे मध्य पूर्व में फैले अमेरिकी ठिकानों और उनके सहयोगियों पर चौतरफा हमले शुरू कर दिए हैं। दुबई, दोहा (कतर), बहरीन और कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों और रणनीतिक ठिकानों पर ईरान ने मिसाइलें दागी हैं। इन हमलों ने खाड़ी देशों में भारी दहशत पैदा कर दी है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस ऑपरेशन को सही ठहराते हुए कहा कि खामेनेई इतिहास के सबसे दुष्ट व्यक्तियों में से एक थे और उनकी मौत ईरानी जनता के लिए अपना देश वापस लेने का सबसे बड़ा अवसर है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि तेहरान पर अमेरिका की बमबारी अनवरत जारी रहेगी। दूसरी ओर, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टार्मर ने घोषणा की है कि ब्रिटेन अपने नागरिकों और क्षेत्रीय भागीदारों की सुरक्षा के लिए समन्वित क्षेत्रीय रक्षा अभियानों में हिस्सा ले रहा है। अमेरिका के भीतर भी दरार पैदा कर दी है। अमेरिकी सांसद दलीय आधार पर बंटे हुए हैं, क्योंकि राष्ट्रपति ने कांग्रेस की पूर्व अनुमति के बिना युद्ध जैसी स्थिति पैदा कर दी है। संयुक्त राष्ट्र (ह) ने भी इस सैन्य कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि इससे क्षेत्र में शांति की रही-सही उम्मीदें भी खत्म हो गई हैं।

● सलाहकारों को एक साथ निशाना बनाने के लिए एक दुर्लभ अवसर का इंतजार किया था

30 बमों से हमला, मिट्टी में मिल गया लीडरशिप हाउस; रूह कंपा देगी खामेनेई की मौत की कहानी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत को लेकर चलाए गए ऑपरेशन को लेकर नए खुलासे हो रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक सनसनीखेज रिपोर्ट में दावा किया है कि इजरायल और अमेरिका ने खामेनेई और उनके शीर्ष सलाहकारों को एक साथ निशाना बनाने के लिए एक दुर्लभ अवसर का इंतजार किया था। खुफिया सूचनाओं के आधार पर ऐसे तीन संभावित मौकों की पहचान की गई थी, जिसके बाद शनिवार को दिनदहाड़े इस भीषण हवाई हमले को अंजाम दिया गया। खुफिया अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि तेहरान स्थित खामेनेई के परिसर पर 30 उच्च क्षमता वाले बम गिराए गए। यह हमला इतना सटीक और विनाशकारी था कि इसने पूरे परिसर को खंडहर में बदल दिया। दिन के उजाले में किए गए इस हमले का उद्देश्य न केवल खामेनेई को खत्म करना था, बल्कि ईरान की शीर्ष सैन्य और राजनीतिक लीडरशिप को एक साथ नेस्तनाबूद करना था। खामेनेई की मौत के साथ ही ईरान के संविधान के अनुसार देश के संचालन के

लिए एक अस्थायी शासी परिषद का गठन कर दिया गया है। इस्लामिक गणराज्य के कानून के तहत, यह परिषद तब तक देश का कार्यभार संभालेगी जब तक कि नए सर्वोच्च नेता का चयन नहीं हो जाता। इस परिषद में ईरान के वर्तमान सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, ईरान के कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख गुलाम हुसैन मोहसेनी एजेई के अलावा तीसरा सदस्य गार्जियन काउंसिल का एक सदस्य होगा, जिसे एक्सपीडिएंसी काउंसिल द्वारा चुना जाएगा। यह परिषद वर्तमान में देश की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी कर रही है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब ईरान के कई शहरों में तनाव व्याप्त है और सीमा पर युद्ध जैसे हालात हैं।

अगला सुप्रीम लीडर कौन?: ईरानी कानून के मुताबिक असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स को जितनी जल्दी हो सके नए सर्वोच्च नेता का चुनाव करना होगा। जो ईरान के सबसे शक्तिशाली पद के लिए उम्मीदवार तय करती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस संक्रमण काल में ईरान के भीतर सुधारवादियों और कट्टरपंथियों के बीच सत्ता संघर्ष तेज हो सकता है। जहां एजेई जैसे कट्टरपंथी नेता अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश करेंगे, वहीं राष्ट्रपति पेजेशकियन पर देश को स्थिरता देने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

सैमसंग ने लॉन्च किया कॉम्पैक्ट 60W पावर अडैप्टर; तेज़ और सुरक्षित चार्जिंग के साथ होगी बिजली की कम बर्बादी

गुरुग्रामः भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने अपने नए 60W पावर अडैप्टर की उपलब्धता की घोषणा की है। यह अडैप्टर बिजली की बर्बादी और चार्जरों के झंझट को कम करते हुए कई तरह के डिवाइस को तेज़ी से चार्ज करता है। चाहे आप स्मार्टफोन, लैपटॉप या ईयरबड्स चार्ज कर रहे हों, यह घर पर या यात्रा के दौरान रोज़मर्रा की चार्जिंग ज़रूरतों के लिए एक अधिक ऊर्जा–कुशल समाधान है।

छोटे आकार में ज़्यादा पावर– यह कॉम्पैक्ट चार्जर अगली पीढ़ी की गैलियम नाइट्राइड तकनीक पर आधारित है, जिसने भारी–भरकम सिलिकॉन पार्ट्स की जगह ले ली है। इससे चार्जर का आकार छोटा रहता है, लेकिन पावर एफिशिएंसी (कार्यक्षमता) ज़्यादा मिलती है। इस अडैप्टर को सुरक्षित और ठंडा रहने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ऑपरेशन के दौरान ऊर्जा के नुकसान को घटाता है और ओवरहीटिंग के जोखिम को कम करता है। सामान्य अडैप्टर की तुलना में यह उत्पाद की उम्र बढ़ाने में भी मदद करता है।

स्टैंडबाय में बेहद कम बिजली खपत– नया अडैप्टर केवल 0.005W की कम स्टैंडबाय पावर का उपयोग करता है। इसका मतलब है कि जब चार्जर प्लग में लगा हो और डिवाइस चार्ज न हो रहा हो, तब भी बिजली की बर्बादी न के बराबर होती है। इससे यूज़र के व्यवहार में बदलाव किए बिना ही ऊर्जा की बचत होती है। इसके अलावा, अडैप्टर को अंडरराइटर्स लैबोरेटोरीज़ से प्रमाणन मिला है, जो पुष्टि करता है कि इसके निर्माण में 20% रिसाइकल्ड सामग्री का उपयोग किया गया है। यह परफॉरमेंस से समझौता किए बिना पर्यावरण के प्रति जागरूक खपत को बढ़ावा देता है।

सभी डिवाइस के लिए स्मार्ट पावर डिलीवरी– सैमसंग का 60W अडैप्टर यूएसबी पावर डिलीवरी 3.1 और प्रोग्रामेबल पावर सप्लाई (पीपीएस) सपोर्ट के साथ आता है।

मौत के बाद खामनेई के अकाउंट से शेयर की गई कुरान की कौन सी आयत

तेहरान, एजेंसी। खामेनेई के एक्स अकाउंट से लिखा गया है, 'मोमिनों में कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अल्लाह से जो वादा किया था उसे सच्चाई के साथ पूरा कर दिखाया। उनमें से कुछ ने अपना वादा निभाकर (शहादत पाकर) अपना समय पूरा कर लिया और कुछ अब भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अपने संकल्प में कोई बदलाव नहीं किया।' ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई मारे गए हैं। अमेरिका और इजरायल के हमले में उनकी मौत हुई है और अब उनके उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाएं तेज हैं। खामेनेई के मारे जाने की पुष्टि ईरान की मीडिया ने भी कर दी है। इस बीच उनके मारे जाने की जानकारी संकेतों में ही अयातुल्लाह अली खामेनेई के ही सोशल मीडिया अकाउंट से दी गई है। खामनेई के एक्स अकाउंट से कुरान की एक आयत शेयर की गई है और उन्हें शहीद करार दिया गया है। कुरान की आयत शेयर करते हुए लिखा गया है, मोमिनों में कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अल्लाह से जो वादा किया था उसे सच्चाई के साथ पूरा कर दिखाया। उनमें से कुछ ने अपना वादा निभाकर (शहादत पाकर) अपना समय पूरा कर लिया और कुछ अब भी प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अपने संकल्प में कोई बदलाव नहीं किया। यह आयत कुरान के (सूरह अल-अहज़ाब 33:23) की है। इस तरह खामेनेई के अकाउंट से ही उनकी मौत की पुष्टि कर दी गई है। इसके साथ ही उन्हें अल्लाह की राह में शहीद बताया गया है। अमेरिका और इजरायल को भी इसी आयत के बहाने चुनौती दी गई है।

अमेरिका-इजरायल को चैलेंज

इसमें कहा कहा है कि अब भी कुछ लोग प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अपने संकल्प में बदलाव नहीं किया है। इस तरह अमेरिका और इजरायल को यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि अब भी ईरान पहले की तरह अड़ा और डटा है। उसके रवैये में कोई बदलाव नहीं आएगा। इस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन की चाह रखने वाले अमेरिका को आने वाले समय में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। उसके लिए यह अभियान आसान नहीं रहेगा। इस बीच खबरें यह भी हैं कि अयातुल्लाह खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को ईरान की कमान सौंपी जा सकती है।

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंचा; ब्रूनो फर्नांडिज के गोल से मैनचेस्टर यूनाइटेड भी जीता

प्रीमियर लीग फुटबॉल- आर्सनल ने चेल्सी को 2-1 से हराया

एमिरेट्स। इंग्लिश प्रीमियर लीग में खिताबी जंग अब और रोमांचक हो गई है। रविवार को एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए हाई-वोल्टेज 'लंदन डर्बी' में टेबल टॉपर आर्सनल ने चेल्सी को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर अपनी पोजिशन स्ट्रॉन्ग भी कर ली।

मैनचेस्टर सिटी 59 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, एक अन्य मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने क्रिस्टल पैलेस पर रोमांचक जीत दर्ज कर तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। टीम से ब्रूनो फर्नांडिज ने बेहतरीन गोल दागा। 66वां मिनटः तीसरा और डिसाइडिंग गोल डेक्लान राइस के कॉर्नर से आया। जुरिएन टिम्बर ने बॉक्स के अंदर जंप करते हुए हेडर से गोल किया और आर्सनल को 2-1 से आगे कर दिया।

चेल्सी को भारी पड़ी रेड कार्ड की मार

मैच के आखिर में चेल्सी के पेड्रो नेटो को अंपायर से बहस और फाउल के कारण दूसरा यलो कार्ड मिला। 2 यलो कार्ड के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे टीम को 10 खिलाड़ियों से ही मैच खेलना पड़ा। चेल्सी फिलहाल 45 पॉइंट्स के साथ छठे नंबर पर है।

यूनाइटेड की 'कमबैक' जीत

ओल्ड ट्रैफर्ड में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने एक गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए क्रिस्टल पैलेस को 2-1 से हरा दिया। पैलेस की तूफानी शुरुआतः मैच के चौथे मिनट में ही मैक्सेंस लैक्रोइक्स ने हेडर से गोल कर पैलेस को बढ़त दिला दी।

आर्सेनल और चेल्सी

पूरे मैच में आर्सेनल का दबदबा रहा और दिलचस्प बात यह रही कि मैच के तीनों गोल कॉर्नर के जरिए ही आए।

21वां मिनटः बुकायो साका के सटीक कॉर्नर पर गेब्रियल मगालहेस ने गेंद को फ्लिक किया और विलियम सालिबा ने शानदार हेडर के जरिए आर्सनल को 1-0 की बढ़त दिला दी।.

हाफ टाइमः चेल्सी ने पहले हाफ के इंजरी टाइम (45+2') में वापसी की। रीस जेम्स के कॉर्नर को क्लियर करने की कोशिश में आर्सनल के नए डिफेंडर पिएरो हिनकापी से चूक हुई और गेंद उनके अपने ही नेट में जा गिरी। जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

टर्निंग पॉइंटः दूसरे हाफ में लैक्रोइक्स ने पेनल्टी बॉक्स में फाउल किया, जिसके बाद उन्हें रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया।

फर्नांडिज और सेस्को का कमालः 57वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिज ने पेनल्टी को गोल में बदला। इसके ठीक 8 मिनट बाद फर्नांडिज के क्रॉस पर बेंजामिन सेस्को ने विनिंग गोल दागकर यूनाइटेड को जीत दिला दी। इस जीत से टीम 51 पॉइंट्स लेकर तीसरे नंबर पर पहुंच गई।

लखनऊ में बच्चों संग खेले युवराज सिंह

लखनऊ क्रिकेटर युवराज सिंह सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों को क्रिकेट की टिप्स दिए। इस दौरान बच्चों ने बॉलिंग की और युवराज ने बैटिंग। इसी के साथ युवराज ने कैच लेने की प्रैक्टिस कराई। इस दौरान युवराज सिंह ने लड़कियों की तारीफ करते हुए कहा- बहुत अच्छा कैच पकड़ा है। लड़कों देख लो...। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा- आप सभी को हर बॉल पर तैयार रहना चाहिए। मैदान पर कभी भी लूज होकर नहीं खड़े होना चाहिए। लूज खड़े रहने पर कैच छूटेगा, बॉल चली जाएगी। रिलैक्स होकर हल्के हाथ से कैच पकड़ा जाता है। इस दौरान युवराज ने अपने बैट छोड़कर भागने का अपना एक किस्सा भी सुनाया। कैसे लगाएं बड़ी हिट, युवराज ने बताया द्वयुवराज सिंह ने खिलाड़ियों को बॉलिंग करने के टिप्स दिए। बताया कि स्पिन गेंदबाजी के साथ में पेस अटैक पर किस तरह से सही लाइन लेंथ पर बॉल की जाती है। बॉलिंग करते समय बॉडी का पॉस्चर क्या होना चाहिए? बॉल कहां से कब रिलीज करनी होती है? इसके साथ ही युवराज ने चौके-छक्के कैसे लगाएं, यह भी बताया। युवराज के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने बॉलिंग और बैटिंग भी की।

ब्रीफ न्यूज़

तीसरी बार टी20 विश्वकप में आमने-सामने होंगे भारत और इंग्लैंड

मुम्बई। टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में 5 मार्च को भारत और इंग्लैंड की टीमें सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। ये तीसरी बार है जब इन दोनो के बीच सेमीफाइनल में मुकाबला होने जा रहा है। इससे पहले साल 2022 में इंग्लैंड ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हराया था। वहीं भारतीय टीम ने साल 2024 में इंग्लैंड पर जीत दर्ज की थी। इतना ही नहीं, पिछले दो बार के टूर्नामेंट में भारत के साथ सेमीफाइनल में जिस भी टीम को जीत मिली है, उसे खिताब मिला है। साल 2024 में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने हराया था और फाइनल भी जीता था। वहीं भारत ने साल 2024 में इंग्लैंड को सेमीफाइनल में हराया था और फाइनल में भी भारतीय टीम जीती थी। इस तरह लगातार तीसरी बार ये संयोग बना है कि दोनों टीमें फिर से सेमीफाइनल में खेलेंगी। भारत और इंग्लैंड के बीच विश्वकप में लीग स्तर या सुपर 8 स्टेज में 14 साल से मुकाबला नहीं खेला गया है। अंतिम बार साल 2012 में दोनों टीमों के बीच नॉकआउट स्तर से पहले मुकाबला खेला गया। उस मैच में भारतीय टीम को जीत मिली थी। अब तक टी20 विश्व कप में पांच बार भारत और इंग्लैंड का आमना-सामना हुआ है, जिसमें से भारत ने 3 जबकि इंग्लैंड ने दो मैच जीते हैं।

टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले 4 और 5 मार्च को खेले जाएंगे

पहला सेमीफाइनल दक्षिण अफ्रीका-न्यूजीलैंड
दूसरा सेमीफाइनल भारत-इंग्लैंड

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम यहां हुए अंतिम सुपरआठ मैच में वेस्टंडीज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं वेस्टइंडीज हार के साथ ही बाहर हो गयी है। इसी मैच के साथ ही सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो गयी हैं। इसमें ग्रुप 1 से दक्षिण अफ्रीका और भारतीय टीम है। वहीं ग्रुप 2 से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड टीम फाइनल में पहुंची है। सेमीफाइनल में पहले ग्रुप की शीर्ष टीम का मुकाबला दूसरे ग्रुप की दूसरी टीम से जबकि दूसरे सेमीफाइनल में पहले ग्रुप की दूसरी टीम का सामना दूसरे ग्रुप की पहली टीम से होगा। ऐसे में पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच जबकि दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड और भारत के बीच मुकाबला होगा।

टी20 विश्वकप 2026 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेस में बुधवार 4 मार्च को खेला जाएगा। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल मैच इंग्लैंड और भारत के बीच 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों ही मैचों के लिए रिजर्व दिन भी रखे गये हैं, ऐसे में अगर बारिश होती है तो पूरा मैच दूसरे दिन खेला जाएगा। दोनों मैचों की टाइमिंग भी एक ही है। दोनों ही मैच भारतीय समय के अनुसार शाम को सात बजे से खेले जाएंगे। रविवार 8 मार्च को दोनों सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

MLS- लियोनल मेसी के 2 गोल से जीता इंटर मियामी

ओरलैंडो सिटी को पहली बार उन्हीं के घर में हराया

इंटर एंड। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के शानदार 2 गोल की बदौलत इंटर मियामी ने ओरलैंडो सिटी को 4-2 से हरा दिया। रविवार रात इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मियामी ने 2 गोल से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और मैच जीता।

खास बात यह रही कि इंटर मियामी ने अपने इतिहास में पहली बार ओरलैंडो के घरेलू मैदान पर जीत दर्ज की, इससे पहले खेले गए 9 मैचों में टीम को यहां कभी जीत नहीं मिली थी।

24वां मिनटः डिफेंडर ग्रिफिन डोर्सी की मदद से मार्टिन ओजेडा ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। हाफ टाइम तक मियामी की टीम परेशानी में नजर आई।

सेकेंड हाफ में मेसी और सेगोविया का तूफान

दूसरे हाफ में कहानी पूरी तरह बदल गई। मियामी के खिलाड़ियों ने अटैकिंग फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। 49वां मिनटः 20 साल के युवा फॉरवर्ड माटेओ सिल्वेटी ने अपने करियर का पहला गोल कर स्कोर 2-1 किया।

57वां मिनटः लियोनल मेसी ने सेगोविया के पास पर सटीक गोल दागते हुए स्कोर 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया।

85वां मिनटः पूरे मैच में छाए रहे टेलैस्को सेगोविया ने बिना किसी मदद के सोलो गोल कर मियामी को पहली बार मैच में 3-2 की बढ़त दिला दी।

90वां मिनटः मैच के आखिरी पलों में मेसी ने अपने ट्रेडमार्क 'फ्री किक' पर गोल दागकर मियामी की 4-2 से जीत पक्की कर दी।

मेसी के 55 मैचों में 52 गोल

मौजूदा एमवीपी लियोनल मेसी ने इस सीजन के अपने पहले 2 गोल दागे। मेसी के अब स्रूस के शुरुआती 55 मैचों में 52 गोल हो गए हैं।

हाफ टाइम तक 2-0 से आगे था ओरलैंडो

मैच की शुरुआत इंटर मियामी के लिए किसी बुरे सपने जैसी रही। ओरलैंडो सिटी ने होम कंडीशन का फायदा उठाते हुए शुरुआती 25 मिनट में ही मियामी को बैकफुट पर धकेल दिया था।

18वां मिनट : मार्को पासालिक ने इवान एंगुलो के पास पर गोल कर ओरलैंडो को 1-0 की बढ़त दिलाई। पासालिक का मियामी के खिलाफ यह लगातार चौथा गोल रहा।

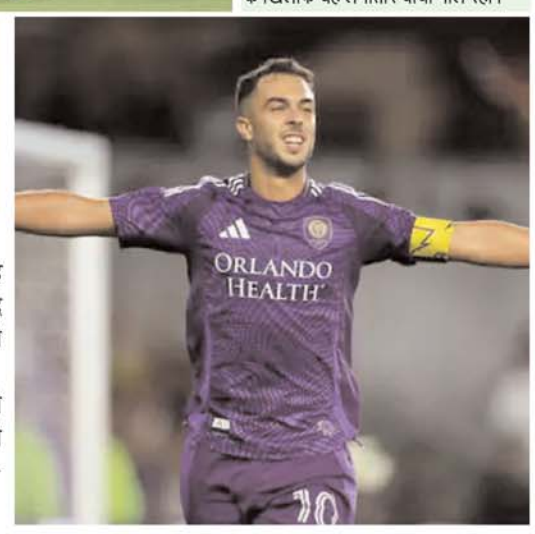

भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगा अफगानिस्तान

दिल्ली। अफगानिस्तान टीम 6 से 20 जून के बीच भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगी। आईपीएल का 19वां सीजन खत्म होने के बाद सीरीज शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शेड्यूल रिलीज करते हुए बताया कि मुल्लांपुर में टेस्ट मैच से सीरीज शुरू होगी। फिर धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 3 वनडे खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप खेल रही है टीम इंडिया

टीम इंडिया फिलहाल होमग्राउंड पर टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है। भारत ने रविवार को सुपर-8 स्टेज मैच में वेस्टइंडीज को हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जहां टीम का सामना 5 मार्च को इंग्लैंड से होगा, मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

14 जून को पहला वनडे

बीसीसीआई ने मीडिया रिलीज में बताया कि महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 6 से 10 जून तक टेस्ट मैच होगा। फिर 14 जून को HPCA स्टेडियम में पहला वनडे, 17 जून को इकाना स्टेडियम में दूसरा वनडे और 20 जून को चेपॉक स्टेडियम में तीसरा वनडे खेला जाएगा। सभी वनडे दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे।

ईरान फीफा वर्ल्ड कप का बॉयकॉट कर सकता है

ईरान। फेडरेशन प्रेसिडेंट बोले- जंग के बीच अमेरिका में फुटबॉल खेलना मुश्किल; 11 जून से टूर्नामेंट फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' पर युद्ध का साया मंडराने लगा है। इजरायल और अमेरिका के हमलों के कारण ईरान टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर सकता है। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कहा है कि मौजूदा हालातों में नेशनल टीम का अमेरिका जाकर फुटबॉल खेलना बेहद मुश्किल है। वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई के बीच अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ईरान को अपने तीनों मैच अमेरिका में ही खेलने हैं। उम्मीद के साथ वर्ल्ड कप नहीं देख सकते- मेहदी ईरानी स्पोर्ट्स वेबसाइट 'वर्जिश-3' से बातचीत में मेहदी ताज ने कहा, 'इस हमले के बाद हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम आशा और उत्साह के साथ वर्ल्ड कप की ओर देखें।' अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव का माहौल बन गया।

ट्रंप सरकार ने ट्रैवल बैन भी लगाया

ईरान के लिए स्पोर्ट्स के अलावा राजनीतिक परेशानियां भी कम नहीं हैं। ट्रंप सरकार ने ईरानी फैंस को देश में एंट्री देने से मना कर दिया है। ऐसे में ईरानी टीम का अमेरिका जाकर खुलकर खेल पाना भी मुश्किल लग रहा है।

अमेरिका में होने हैं ईरान के मैच

ईरान को वर्ल्ड कप के लिए ग्रुप-जी में रखा गया है। शेड्यूल के मुताबिक, ईरान को अपने मुकाबले अमेरिकी शहरों में ही खेलने हैं...

15 जूनः और न्यूजीलैंड; वेन्यू- इंगलवुड, कैलिफोर्निया
21 जूनःऔर बेल्जियम; वेन्यू- इंगलवुड, कैलिफोर्निया
26 जूनः और इजिप्ट; वेन्यू- सिएटल

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ। एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजेता जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं। भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है।

किगाली में टूर डी रवांडा में अवार्ड समारोह में भाग लेते हुए विजेता खिलाड़ी।

टीम के खराब प्रदर्शन से PCB नाराज, बोला- हारने की सजा मिलनी चाहिए

पाकिस्तान की वर्ल्डकप टीम के प्लेयर्स पर 50-50 लाख जुर्माना

मुंबई। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड अपने खिलाड़ियों से जुर्माना वसूलने वाला है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, पाकिस्तान के हर खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए (16.28 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया गया।

बोर्ड अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि अब खिलाड़ियों को आर्थिक फायदा केवल अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ही मिलेगा।

नेशनल प्लेयर्स को हर महीने लाखों रुपए मिलते हैं

पाकिस्तान में नेशनल टीम का हिस्सा प्लेयर्स को 4 कैटेगरी में सैलरी मिलती है। ए कैटगरी में करीब 65 लाख, बी कैटेगरी में 45 लाख, सी कैटेगरी में 20 लाख और डी कैटेगरी में 12.50 लाख रुपए हर महीने मिलते हैं।

हालांकि, जुलाई 2025 से जून 2026 के पिछले कॉन्ट्रैक्ट में PCB ने किसी भी खिलाड़ी को ए कैटेगरी में नहीं रखा। यानी जुर्माने के बाद बी कैटेगरी प्लेयर्स की करीब एक महीने की सैलरी कट जाएगी। वहीं सी और डी कैटेगरी के प्लेयर्स को 2 से 3 महीने की सैलरी जुर्माने में देनी पड़ेगी। सुपर-8 स्टेज में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश में धुल गया। इंग्लैंड ने करीबी मुकाबला हरा दिया। इसके बाद सेमीफाइनल की उम्मीदें दूसरे मैचों के नतीजों पर टिक गईं। श्रीलंका पर करीबी जीत के बावजूद रन रेट खराब रहा। इस कारण न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में पहुंच गया और पाकिस्तान बाहर हो गया।

भारत के मैच के बाद लगा दिया था जुर्माना

पाकिस्तानी फैंस के साथ बोर्ड अधिकारी भी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज हैं। भारत के खिलाफ मैच हारने के बाद ही हर पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया गया था। क्ष्ख्क्ने कहा कि अगर अच्छे प्रदर्शन पर इनाम मिलता है, तो खराब प्रदर्शन पर सजा भी मिलेगी। भारत से हार के तुरंत बाद टीम को यह फैसला बता दिया गया था।

श्रीलंका पर जीत के बावजूद बाहर हुआ पाकिस्तान

पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज की। इसके बाद ङ्क्ष को हराया। श्रीलंका की परिस्थितियों और स्पिन गेंदबाजों के दम पर भारत के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन टीम 61 रन से हार गई। पाकिस्तान फिर नामीबिया को आखिरी मैच हराकर सुपर-8 स्टेज में पहुंचा।

पाकिस्तानी नेशनल प्लेयर को हर महीने लाखों रुपए मिलते हैं

कैटेगरी	सैलरी + ICC शेयर (PKR लाख में)	कुल पाकिस्तानी रुपये (लाख में)	सैलरी (INR लाख में)
A	45 + 20.7	65.7	21.4
B	30 + 15	45	14.8
C	10 + 10	20	6.5
D	7.5 + 5	12.5	4.07

* PKR- पाकिस्तानी रुपये में | * INR - भारतीय रुपए में

विश्व महिला दिवस पर हर घर रिचार्ज पिट का आह्वान, सभा, चौपाल और रैली के माध्यम से जल संरक्षण महाभियान को मिल रहा जनसमर्थन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में लगातार गिरते भू-जल स्तर और संभावित जल संकट को देखते हुए ÷जल संरक्षण महाभियान÷ के तहत व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सभा, चौपाल और रैली के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को अपने घरों में रिचार्ज पिट निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया है कि बेमेतरा जिला वर्तमान में गंभीर जल संकट की स्थिति का सामना कर रहा है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में यह संकट और अधिक भयावह रूप ले सकता है। जल के बिना जीवन की कल्पना असंभव है, इसलिए वर्तमान समय में हम सबका सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है – जल का संरक्षण और संवर्धन।

08 मार्च 2026 - विश्व महिला दिवस पर विशेष संकल्प-08 मार्च 2026 को इंटरनेशनल वीमेन डे के अवसर पर जिलेवासियों से विशेष आह्वान किया गया है कि वे इस दिन महिलाओं के सम्मान में अपने घरों में रिचार्ज पिट का निर्माण कर जल संरक्षण का संकल्प लें। यह संदेश दिया गया है कि ÷जल शक्ति से ही नारी सशक्त होती है÷, क्योंकि जल के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। परिवार और समाज की आधारशिला के रूप में महिलाओं की भूमिका को सम्मान देते हुए इस दिवस पर जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

जन-जन से सहयोग की अपील-जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे न केवल स्वयं जल की एक-एक बूंद बचाएं, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों एवं समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। भू-जल स्तर में सुधार लाने और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने के लिए प्रत्येक घर में रिचार्ज पिट निर्माण को आवश्यक बताया गया है।

जल संकट को दूर करने का सबसे सरल, प्रभावी और स्थायी उपाय है — ÷हर घर रिचार्ज पिट÷ विश्व महिला दिवस के इस पावन अवसर पर जिलेवासियों से आह्वान है कि वे पृथ्वी के भीतर जल संचयन कर जीवन बचाने के इस महाभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं और बेमेतरा को जल संकट से मुक्ति दिलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने पीएम आवास निर्माण को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने ग्राम सभा में राशनकार्ड, आवास, पेंशन, शौचालय के पात्रता के संबंध में जानकारी देने के निर्देश दिए

जिला टास्क फ़ोर्स अधिकारियो को अवैध खनिज पर कार्यवाही करने के निर्देश

कलेक्टर ने ली समय सीमा की बैठक

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में समय सीमा का बैठक आयोजित किया गया, जिसमें जिला प्रशासन को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति, अधिकारियो से पूछकर कलेक्टर ने शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुशासन तिहार के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से प्राप्त आवेदन के लंबित प्रकरणो को भी प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। जिले में पेंशनरों का मोबाइल सीडिंग का कार्य बड़ी मात्रा में हो चुका है। कलेक्टर ने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र में पीएम आवास निर्माण के लिए उपयुक्त समय है। सभी अमला इस कार्य को समर्पित होकर गंभीरता से कार्य करें और जिले के हितग्राहियों को शत प्रतिशत लाभ दिलाएं। उन्होंने अपार आईडी, पीएम स्वनिधि योजना, जाति प्रमाण पत्र, हर घर जल प्रमाणित, किसान एग्रीस्टेक आदि का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि, सभी जनपद सीईओ ग्राम पंचायत की बैठक में गांव के लोगों को पीएम आवास, शौचालय, पेंशन, पीएम उज्ज्वला गैस आदि के पात्र अपात्र की जानकारी दें ताकि लोग पात्र होंगे तो आवेदन जमा करेंगे और अपात्र हैं तो अनावश्यक समय नष्ट होने से बचेंगे। कलेक्टर ने ई ऑफिस में कार्य करने और आधार बेस हाजिरी देने के लिए सभी अधिकारियो को निर्देश दिए। साथ ही जिला टास्क फ़ोर्स अधिकारियो को अवैध खनिज पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।डु

कर्राकोट की कच्ची सड़क पर उठे सवाल, जांच में शिकायत निकली निराधार

बरमकेला/मूक पत्रिका

बरमकेला जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कर्राकोट में मेन रोड से मंदिर तक बनी कच्ची सड़क को लेकर उठे विवाद पर प्रशासन ने सख्त तेवर दिखाते हुए मौके पर जांच की। वर्ष 2022-23 में इस सड़क निर्माण के लिए 7 लाख 97 हजार रुपये की स्वीकृति मिली थी। कार्य के दौरान 6 लाख 62 हजार रुपये की राशि आहरित की गई, जबकि शेष 1 लाख 35 हजार रुपये वापस जमा कर दी गई। शिकायतकर्ता अजित पटेल द्वारा कार्य में अनियमितता और निर्माण नहीं होने का आरोप लगाया गया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों की टीम कर्राकोट पहुंची और स्थल निरीक्षण कर जांच शुरू की।

मजदूरों ने कहा - काम हुआ है, भुगतान भी मिला

जांच के दौरान मौके पर उपस्थित मजदूरों ने स्पष्ट बयान दिया कि सड़क निर्माण कार्य उन्होंने किया है और उन्हें नियमानुसार मजदूरी का भुगतान भी मिला है। मजदूर विशाखा रजनी और छोटू महंत, बुधु दास, अजय महंत ने आरोप लगाया कि अधिवक्ता होने का धौंस दिखाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया सरपंच सचिव रोजगार सहायक को। साथ ही यह भी गंभीर आरोप लगाया गया कि 2 लाख रुपये की मांग किया गया अजित पटेल शिकायत कर्ता के द्वारा, पर मांग पूरी नहीं होने पर आपसी द्वेषवश शिकायत की गई। अधिकारियों ने सचिव, रोजगार सहायक एवं मजदूरों के बयान दर्ज कर पंचनामा तैयार किया। स्थल निरीक्षण में प्रथम दृष्टया किसी प्रकार की अनियमितता सामने नहीं आई। जांच प्रतिवेदन तैयार कर उच्च अधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया पूरी की गई।

जांच दल में रहे ये अधिकारी मौजूद

जांच टीम में प्रभारी ई.ई. बी.के. खांडेकर, एपीओ मनरेगा एस. के. गुप्ता, पी.ओ. कमलेश मेहरा, सब इंजीनियर भुवनेश्वर पटेल एवं संगीता पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन का सख्त संदेश

कर्राकोट की इस सड़क जांच ने साफ संदेश दिया है कि प्रशासन हर शिकायत पर सजग और संवेदनशील है। विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निगरानी लगातार जारी है। लेकिन तथ्यहीन और द्वेषपूर्ण शिकायतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।अब देखना यह है कि अंतिम रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष सामने आता है, लेकिन फ्लिहाल जांच में शिकायत निराधार प्रतीत हो रही है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत जिला स्तरीय आवश्यक बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

03 मार्च 2026 को जिला बेमेतरा में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जिला स्तरीय बैठक का आयोजन दिशा सभाकक्ष, कलेक्टोरेट बेमेतरा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई द्वारा की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अपर जिला दंडाधिकारी (एडीएम) भी उपस्थित रहे। बैठक में जिले के समस्त विभागों के विभाग प्रमुखों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की प्रगति एवं उद्देश्यों की जानकारी-बैठक की शुरुआत जिला शिक्षा अधिकारी श्री चतुर्वेदी द्वारा की गई। उन्होंने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक जिले में किए गए कार्यों, निर्धारित लक्ष्यों तथा कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इसके पश्चात जिला नोडल अधिकारी श्री खोमलाल साहू ने जिले में संचालित गतिविधियों एवं पंजीकृत शिक्षार्थियों की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे असाक्षर व्यक्तियों को साक्षर बनाने हेतु संचालित किया जा रहा है, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके।

22 मार्च को आयोजित होगी महापरीक्षा-बैठक में बताया गया कि आगामी 22 मार्च को आयोजित होने वाली महापरीक्षा के माध्यम से पंजीकृत शिक्षार्थियों का आकलन किया जाएगा। इस परीक्षा के अंतर्गत स्वरूज्ञ (प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा) के माध्यम से शिक्षार्थियों को मूलभूत पढ़ना-लिखना एवं गणना कौशल में पारंगत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल साक्षरता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से जीवन कौशल, व्यवसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा एवं सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा देना है, ताकि प्रत्येक शिक्षार्थी समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सके।

कलेक्टर के निर्देश: सभी विभाग निभाएं सक्रिय भूमिका- कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि 22 मार्च को आयोजित महापरीक्षा में सभी पंजीकृत असाक्षर शिक्षार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए सक्रिय सहभागिता निभाने के निर्देश दिए, ताकि जिला बेमेतरा को पूर्ण साक्षर बनाने का लक्ष्य शीघ्र प्राप्त किया जा सके। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को उल्लास कार्यक्रम से संबंधित शपथ भी दिलाई और जिले को पूर्ण साक्षर बनाने के संकल्प को दोहराया। बैठक में सभी विकासखंडों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला जेल अधीक्षक, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (ष्ठढ्ढश्वञ्ज) बेमेतरा के प्राचार्य, शिक्षा महाविद्यालय बेमेतरा की प्राचार्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे 7

बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

विकासखण्ड सारंगढ़ से 59, विकासखण्ड बिलाईगढ़ से 81 एवं विकासखण्ड बरमकेला से 35 तथा नगर पंचायत भटगांव से इस प्रकार कुल 176 ग्राम पंचायत एवं 1 नगरीय निकाय से नियमानुसार विगत दो वर्षो से बाल विवाह का प्रकरण नहीं होने संबंधी दस्तावेज प्राप्त हुये हैं। अतः इन्हें बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय घोषित किया जा कर प्रमाण पत्र जारी करना है। इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्थान को किसी प्रकार की आपत्ति हो या कोई बाल विवाह का प्रकरण संज्ञान में हो तो 07 दिवस की समय सीमा में कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला- सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.) एसबीआई बैंक के सामने पटेल विला रायगढ़ रोड में कार्यालयीन समय प्रातः 10 बजे से 5:30 बजे तक लिखित में सुसंगत दस्तावेजों के साथ दावा प्रस्तुत कर सकते हैं।

होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

दैनिक मूक पत्रिका के सभी ब्यूरो चीफ जिला एवं ब्लॉक प्रतिनिधि, संवाददाता साथियों और हमारे पूरे मूक पत्रिका परिवार को रंगों के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।यह होली आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह, सफलता और खुशियों के रंग लेकर आए। आप सभी का सहयोग, समर्पण और निष्ठा ही मूक पत्रिका की असली ताकत है।इसी विश्वास और एकजुटता के साथ हम आगे भी सच्ची और निर्भीक पत्रकारिता के रंग समाज तक पहुँचाते रहेंगे। आप सभी को सुरक्षित, आनंदमय और मंगलमय होली की शुभकामनाएँ।

- आशीष कुमार कंठले
प्रधान संपादक
दैनिक मूक पत्रिका छत्तीसगढ़

बेमेतरा मां भद्रकाली महोत्सव मनाने विधायक को दिया गया ज्ञापन

उक्त महोत्सव करवाने विधायक ने दिया पूर्ण आश्वासन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा नगर माता भद्रकाली के नाम से जाना जाता है यहां के नागरिकों द्वारा विगत कई वर्षों से यह प्रयास किया जाता रहा कि बेमेतरा की पहचान भारत देश के कोने कोने तक पहुंचे इस हेतु एक मात्र विकल्प है कि बेमेतरा मे मां भद्रकाली महोत्सव करवाना।

आज विधायक कार्यालय पहुंचकर मान. दीपेश साहु जी विधायक से भेंट मुलाकात किए तथा एक ज्ञापन सौंपे तथा उक्त महोत्सव को ईसी वर्ष नवरात्रि पर्व पर करवाने का निवेदन किये जिसको विधायक जी ने पूर्ण आश्वस्त किये।

ज्ञापन सौंपने वालों में बेमेतरा माता भद्रकाली मंदिर कमेटी के अध्यक्ष छोटू माहेश्वरी एवं अन्य सदस्यों के साथ साथ साहित्यकार एवं कलाकार कल्याण संघ के पदाधिकारियों द्वारा जिसमें अध्यक्ष रामानन्द त्रिपाठी, अनिल माहेश्वरी,डा. गोकुल बंजारे चंदन,फेरूराम साहु, नरोत्तम लाल साहु, सौंखीलाल पोर्ते,महेतरू राम साहु, बंशीलाल साहु, बहोरिक राम साहु,भगवान सिंह ठाकुर,ऋषि ठाकुर,मनोज पाटिल,भुवनदास जांगड़े, लेखराम भारतीय,दूर्गा शंकर चतुर्वेदी सहित बेमेतरा के अन्य प्रबुद्ध लोग उपस्थित रहे।

प्रेषक
डा.गोकुल बंजारे चंदन बेमेतरा

होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे,

सामाजिक समरसता का जीवंत परम्परा का प्रतिक है : दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पं. ज. ने. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एवं महाविद्यालय के ऊर्जावान छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजित भव्य होली मिलन समारोह उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप मे नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ,भारतीय जनता पार्टी के रायपुर प्रभारी राजेंद्र शर्मा, युगल देवांगन, राजू देवांगन, डॉ. विनय साहू, संदीप यादव, योगेश वर्मा देवांगन महेश्वर साहू वासुदेव साहू सहित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संबंध सदस्य गण महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि एवं नगर की युवा शक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण और समस्तछात्र छात्राओं ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर,गले मिलकर आपसी भाईचारे के साथ होली मनाई और हर एक दूसरे को होली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी . इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति की जीवंत परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है और महाविद्यालय परिसर में इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों से विद्यार्थियों में एकता, सकारात्मकता और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। विधायक श्री साहू ने कहा कि आज का युवा केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है, जो समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने छात्र-शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं का उत्साह और रचनात्मक सोच ही विकसित भारत की आधारशिला है। रंग, गुलाल, गीत-संगीत और हंसी-खुशी से परिपूर्ण इस समारोह में महाविद्यालय परिसर उत्सवमय वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम के अंत में विधायक श्री साहू ने सभी के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि होली का यह पावन पर्व सभी के जीवन में नए उत्साह और सकारात्मकता के रंग भर दे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।